डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 66 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 13 फ़रवरी 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

गोपीनाथ के चाहने वाले साथ आ जाएं तो अलग पार्टी....., पंकजा मुंडे ने फिर दिखाए बगावती तेवर!

मुंबई, एजेंसी। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि गोपीनाथ मुंडे के अनुयायियों की संख्या इतनी बड़ी है कि वे अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी बना सकते हैं। पंकजा मुंडे ने कहा कि लोगों ने उन्हें एक नेता के रूप में स्वीकार किया है, इसलिए नहीं कि वह गोपीनाथ मुंडे की बेटी हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें वरिष्ठ मुंडे के विचार और विचारधारा विरासत में मिली हैं और उन्होंने उसे जीया है। दो अलग-अलग कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए नासिक आईं पंकजा ने कहा कि आज भी (गोपीनाथ) मुंडे साहब का दबदबा ऐसा है कि उनके अनुयायियों को एक साथ लाकर एक राजनीतिक पार्टी बनाई जा सकती है। यही उनके अनुयायियों की ताकत है। उन्होंने कहा कि जो लोग (गोपीनाथ) मुंडे से प्यार करते हैं, वे उन मूल्यों से प्यार करते हैं जिनका उन्होंने प्रचार किया और जिनके लिए वे खड़े रहे। मुंडे साहब पार्टी के जन्म से ही उसके साथ थे और वह हमेशा इसके प्रति वफादार रहे। मुझे इसलिए स्वीकार नहीं किया गया क्योंकि मैं गोपीनाथ मुंडे की बेटी हूं। मैंने उनके मूल्यों को संजोया है और यही कारण है कि लोगों ने मुझे अपना नेता स्वीकार किया है। मंत्री ने कहा कि जब उन्हें पर्यावरण विभाग आवंटित किया गया तो वह असमंजस में थीं और सोच रही थीं कि एक जन राजनीतिज्ञ के रूप में वह उन लोगों के लिए क्या कर सकती हैं जो समाधान की मांग को लेकर उनके पास आए थे। पंकजा ने कहा, मुझे मंत्रालय के महत्व का एहसास हुआ और अब मैंने एक हरित राज्य के लिए सर्वोत्तम प्रयास करने का फैसला किया है। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि इसका समग्रता से पालन किया जाए। हम प्रकृति और नदियों के साथ किए गए सभी बुरे कामों को दूर करने का प्रयास करेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आईपीजीए केद पल्सेस कॉन्क्लेव 2025 का करेंगे उद्घाटन

इन्दौर। समृद्धि के लिए दालें - स्थिरता के साथ पोषण थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए भारत के दालों के उत्पादन को बढ़ाने की रणनीतियों, स्थिर व्यापार वातावरण के लिए नीतिगत ढांचे, दक्षता में सुधार के लिए तकनीकी प्रगति, वैश्विक बाजार के रुझान, मूल्यवर्धित उत्पादों पर जोर दिया जाएगा। आईपीजीए का प्रमुख द्विवार्षिक कार्यक्रम, द पल्सेस कॉन्क्लेव (टीपीसी), दालों के क्षेत्र को समर्पित दुनिया का सबसे बड़ा सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी है। पिछले संस्करणों में 30 से अधिक देशों की भागीदारी देखी गई है, और टीपीसी 2025 में 800 से अधिक प्रतिनिधियों के आने की उम्मीद है। कॉन्क्लेव उन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा जो दालों के क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस आयोजन और विश्व दलहन दिवस 2025 के बारे में बोलते हुए, भारत दलहन एवं अनाज संघ (आईपीजीए) के अध्यक्ष, बिमल कोठारी ने कहा, +विश्व दलहन दिवस 2025, जिसका विषय 'दालें- कृषि खाद्य प्रणालियों में विविधता लाना' है, वैश्विक पोषण को बढ़ाने, स्थिरता को बढ़ावा देने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में दालों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। 13 फरवरी को उद्घाटन सत्र में भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के साथ-साथ भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्री, नीति निर्माता, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधि और उद्योग जगत के नेता शामिल होंगे। इसमें भाग लेने वाले अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में उपभोक्ता मामलों के माननीय कैबिनेट मंत्री प्रहलाद जोशी, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के माननीय कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान, महाराष्ट्र राज्य के विपणन एवं प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के माननीय सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी, उपभोक्ता मामलों के विभाग की माननीय सचिव श्रीमती निधि खरे और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के माननीय सचिव श्री सुब्रत गुप्ता शामिल हैं। सत्र की शुरुआत आईपीजीए के अध्यक्ष बिमल कोठारी के भाषण से होगी, जिसके बाद ग्लोबल पल्स कन्फेडरेशन के अध्यक्ष विजय अयंगर अपने विचार रखेंगे।

सीएम नायब सिंह सैनी और बड़ौली के खिलाफ बयान देकर फंसे अनिल विज, भाजपा ने भेजा कारण बताओ नोटिस

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मंत्री अनिल विज बगावती तेवरों के चलते पार्टी हाईकमान के निशाने पर आ गए हैं। सीएम नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के खिलाफ बयान देने के बाद वे फंस गए हैं। भाजपा ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विज को तीन दिन के भीतर जवाब पेश करना होगा। विज ने सैनी और बड़ौली के खिलाफ बयानबाजी की थी। विज ने सीएम सैनी पर तीखा हमला किया था कि सैनी जब से मुख्यमंत्री बने हैं, हैलीकॉप्टर पर ही रहते हैं। नीचे उतरेंगे तभी तो जनता का दुख-दर्द समझ पाएंगे। वहीं, गैंगरेप में नाम आने पर हरियाणा भाजपा अध्यक्ष बड़ौली से इस्तीफा मांगा था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के खिलाफ बयानबाजी करना हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज को भारी पड़ गया है। पार्टी अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने अनिल विज को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा है। नोटिस में बड़ौली ने कहा है कि आपने पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री पद के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयान दिया है। यह बेहद गंभीर है। यह कदम न केवल पार्टी की विचारधारा के खिलाफ है बल्कि यह उस समय हुआ, जब पार्टी पड़ोसी राज्य दिल्ली में चुनावी अभियान चला रही थी। चुनावी समय में इस तरह की बयानबाजी से पार्टी की छवि को नुकसान होगा, यह जानते हुए आपने यह बयान दिए, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। नोटिस में इसे घोर अनुशासनहीनता माना गया है और अनिल विज को 3 दिन के अंदर लिखित जवाब देने की बात कही गई है।

सीएम सैनी पर हमलावर थे विज: कुछ दिन पहले अनिल विज ने अफसरशाही से तंग आकर नाराज हो गए थे। अनिल विज आरोप लगा रहे थे कि कि विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कुछ स्थानीय सरकारी अफसरों के साथ मिलकर उन्हें हराने की साजिश रची और मारने तक का प्रयास किया। सरकार को इस बारे में पत्र लिखने के बाद भी कोई एक्शन नहीं हुआ तो विज ने सीएम नायब सैनी पर सीधा हमला बोल दिया। उन्होंने कहा कि सैनी जब से मुख्यमंत्री बने हैं, हैलीकॉप्टर पर ही रहते हैं। नीचे उतरेंगे तभी तो जनता का दुख-दर्द समझ पाएंगे।

इसके बाद अनिल विज ने एक पोस्ट से मुख्यमंत्री के नजदीकी नेताओं की वो तस्वीरें भी गद्दार लिखकर शेयर कीं, जिसमें वो लोग खुद बीजेपी नेता होने के बावजूद विज के खिलाफ चुनाव लड़ने वाली चित्रा सरवारा के साथ दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ भी उन्हीं लोगों की तस्वीर थी, जिसे शेयर करते हुए ?विज ने इस पर गद्दार तक लिख दिया था। इसके अलावा विज अपने द्वारा लगाए जाने वाले जनता दरबारों और ग्रीवेंसिस कमेटी की बैठकों के दौरान दिए जाने वाले आदेशों का पालन ना होने से भी नाराज चल रहे थे। इसके बाद हरियाणा सरकार ने अंबाला के डीसी और एसएसपी को हटा दिया था। वहीं, अंबाला के एक भाजपा नेता को भी पार्टी से निकाल दिया था।

मंत्री पद से हटा सकते हैं, मेरी विधायकी कोई नहीं छीन सकता: हरियाणा के परिवहन और ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने 2 फरवरी को रोहतक में फिर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर जोरदार हमला बोला। विज ने सीएम सैनी को डायरेक्ट चैलेंज देते हुए कहा कि मेरा सब कुछ छीना जा सकता है, लेकिन मेरी विधायकी कोई नहीं छीन सकता है। मुझे लोगों ने विधायक बनाया है, इसलिए मुझे कोई फर्क पड़ता नहीं है। छीनना चाहते हैं, छीन लें, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैंने मंत्री होने के बाद भी कोई सुविधाएं नहीं ले रखी हैं। मैंने कोठी नहीं ली, सिर्फ कार है। कार्यकर्ताओं ने कहा है कि कार छीनेंगे तो हम लेकर दे देंगे। नायब सिंह सैनी को अब हवा से नीचे आकर मंत्रियों और विधायकों के साथ बैठक करनी चाहिए। मंत्रियों और विधायकों की समस्या का समाधान करना चाहिए। मैं कोई भी बयान आत्मा से देता हूं, आत्मा को कोई काट नहीं सकता है। जल्दी ही सरकार की कमियों को भी बताया जाएगा।

बड़ौली से मांगा था इस्तीफा: कसौली में गैंगरेप के आरोपों पर हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली पर केस दर्ज होने के बाद अनिल विज ने उन पर भी हमला बोला था। विज ने कहा था कि बड़ौली को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। जब तक मोहन लाल बड़ौली जांच के दायरे में हैं, तब तक उन्हें हरियाणा बीजेपी अध्यक्ष पद छोड़ देना चाहिए। हालांकि, विज ने कहा था कि उन्हें पूरा भरोसा है कि बड़ौली पूरी तरह से निर्दोष हैं और जल्द ही जांच में यह सामने आ जाएगा, लेकिन जब तक ऐसा नहीं हो जाता, तब तक के लिए उन्हें पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

35 लग्जरी कारों का काफिला, खतरनाक स्टंट, सूरत में 12वीं के छात्रों ने फेयरवेल से पहले सड़कों पर काटा बवाल

सूरत, एजेंसी। गुजरात के सूरत में एक प्रतिष्ठित स्कूल में पढ़ने वाले 12वीं क्लास के 35 छात्रों के ग्रुप ने स्कूल में होने वाली फेयरवेल पार्टी में जाने के उत्साह में लग्जरी कारों का विशाल काफिला निकाला। इस दौरान इन किशोरों ने कथित तौर पर सड़कों पर खूब उत्पात मचाया और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन भी किया। मामला संज्ञान में आने पर पुलिस ने अब तक 12 कारों को सीज कर लिया है। द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बॉलीवुड फिल्म एनिमल के गाने पर सेट किए गए काफिले का एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने छात्रों और उनके अभिभावकों के खिलाफ ट्रैफिक नियमों के कई उल्लंघनों के लिए कार्रवाई करते 26 में से 12 कारों को सीज कर लिया।

स्कूल में अपने अंतिम दिन को यादगार बनाने के लिए ब्लेजर और कोट-सूट पहने हुए छात्र शानदार वाहनों में सवार होकर निकले और ड्रोन और कैमरों का उपयोग करके अपने ड्राइव का वीडियो बनाया। वायरल वीडियो ने लोगों में आक्रोश पैदा किया, साथ ही खतरनाक स्टंट करने वाले एक प्रतिष्ठित स्कूल के छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की कमी पर सवाल भी उठाए। डीसीपी अमिता वनानी ने इस मामले में सख्त कार्रवाई का वादा करते हुए कहा, हमने फुटेज को देखा है और कई उल्लंघनों की पहचान की है। कानून अपना काम करेगा और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

डीसीपी के बयान के बाद पुलिस ने छात्रों और उनके अभिभावकों का जानकारी हासिल करने के लिए स्कूल का दौरा किया। स्कूल के संस्थापक वरदान काबरा ने कहा कि वे ऐसी गतिविधियों का समर्थन नहीं करते हैं।

काबरा ने बताया कि हमने पुलिस के साथ पूरा सहयोग किया है और सभी जरूरी जानकारी प्रदान कर दी हैं।

महायुति में सियासी संग्राम, एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस में ठनी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सत्ता की साझेदारी करने वाली महायुति सरकार में अंदरूनी खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पुनर्गठन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इस कदम ने न सिर्फ राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है बल्कि यह भी संकेत दिया है कि बीजेपी और शिंदे गुट के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा। इसके अलावा शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना इस बात से नाराज है कि निजी सहायकों (पीए) और विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) की नियुक्तियों सहित अन्य सिफारिशें मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में अटकी हुई हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का गठन 2005 में मुंबई में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद किया गया था और यह राज्य में आपदा प्रबंधन की सबसे अहम संस्था है। मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के अध्यक्ष होते हैं और इसमें राज्य के अन्य प्रमुख विभागों के मंत्री शामिल होते हैं। इस बार डिप्टी सीएम और एनसीपी नेता अजित पवार को इसमें जगह दी गई है, लेकिन शिंदे को इससे दूर रखा गया है। यह फैसला इसलिए चौंकाने वाला है क्योंकि शिंदे के पास शहरी विकास विभाग है, जो प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में अहम भूमिका निभाता है। उनके विभाग की टीमें बचाव और राहत कार्यों की निगरानी करती हैं, लेकिन फिर भी उन्हें बाहर रखा गया। इस फैसले ने यह अटकलें तेज कर दी हैं कि फडणवीस और शिंदे के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, शिंदे गुट के मंत्रियों के लिए यह अकेला झटका नहीं है। हाल ही में कई शिवसेना नेताओं ने शिकायत की थी कि उनके कार्यालयों में पीए और ओएसडी की नियुक्ति में जानबूझकर देरी की जा रही है। कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों को मुख्यमंत्री कार्यालय ने रोक रखा है, जिससे मंत्री प्रशासनिक फैसले लेने में असहाय महसूस कर रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो शिंदे गुट के बड़े चेहरों में शामिल उदय सामंत, शंभूराज देसाई, संजय राठौड़ और गुलाबराव पाटिल जैसे इस देरी से प्रभावित हैं। सूत्रों के मुताबिक, 2014 से विभिन्न विभागों में काम कर रहे अधिकारियों की नियुक्ति को भी अटकाया जा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि बीजेपी नेतृत्व इन नियुक्तियों पर पूरी तरह से नियंत्रण रखना चाहता है, जिससे शिवसेना के मंत्रियों को संदेश दिया जाए कि असली ताकत कहां है। यह पहली बार नहीं है जब महायुति सरकार में खींचतान सामने आई हो। इससे पहले जब महाराष्ट्र सरकार ने जिला संरक्षक मंत्रियों की सूची जारी की थी, तब रायगढ़ और नासिक के मामले में भी मतभेद खुलकर दिखे थे। शिवसेना के मंत्रियों को इन जिलों की जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद थी, लेकिन बीजेपी और अजित पवार की एनसीपी को यह जिले सौंप दिए गए।

केरल सरकार ने निजी विश्वविद्यालयों के लिए मसौदा विधेयक को मंजूरी दी

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व में कैबिनेट ने राज्य में निजी विश्वविद्यालयों को विनियमित करने के लिए एक मसौदा विधेयक को मंजूरी दे दी है. विधेयक को मौजूदा विधानसभा सत्र में पेश किया जाना है. विधेयक का उद्देश्य निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना और संचालन के लिए एक ढांचा स्थापित करना है, यह सुनिश्चित करना है कि वे गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं और राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र में योगदान करते हैं.

मसौदा विधेयक में प्रायोजक एजेंसियों के लिए पात्रता मानदंड की रूपरेखा दी गई है, जिसके अनुसार उन्हें शिक्षा क्षेत्र में विश्वसनीय ट्रैक रिकॉर्ड रखना होगा. आवेदकों को नियामक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित न्यूनतम भूमि आवश्यकताओं को पूरा करना होगा और राज्य के खजाने में 25 करोड़ रुपये की राशि जमा करनी होगी. बहु-परिसर विश्वविद्यालयों को कम से कम 10 एकड़ भूमि पर अपना मुख्यालय स्थापित करना होगा. मसौदा विधेयक के अनुसार कुलपति और संकाय सहित प्रमुख प्रशासनिक पदों पर नियुक्तियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और राज्य सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा. प्रत्येक पाठ्यक्रम में केरल के स्थायी निवासियों के लिए 40त्न सीटें आरक्षित की जाएंगी. विधेयक के अनुसार, मौजूदा आरक्षण प्रणाली सभी संस्थानों में लागू होगी. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए शुल्क रियायतें और छात्रवृत्तियां जारी रहेंगी. किसी संस्थान को आवेदन करने के लिए भूमि और वित्तीय संसाधनों की जानकारी के साथ एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी. एक विशेषज्ञ समिति आवेदन की समीक्षा करेगी. समिति में अध्यक्ष के रूप में सरकार द्वारा नामित शिक्षाविद, एक कुलपति, उच्च शिक्षा सचिव, केरल राज्य शिक्षा परिषद से एक नामित व्यक्ति, योजना बोर्ड से एक नामित व्यक्ति और जिला कलेक्टर शामिल होंगे. समिति दो महीने के भीतर अपना निर्णय प्रस्तुत करेगी, और सरकार आवेदक को अपने निर्णय से अवगत कराएगी.

पीएम मोदी के साथ मुलाकात पर क्या बोले भूपेंद्र हुड्डा? वायरल वीडियो का बताया सच

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में पीएम मोदी, भूपेंद्र सिंह हुड्डा का हालचाल पूछते नजर आते हैं। वीडियो वायरल होने के बाद अब हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने मुझे नहीं, बल्कि किसी और को मिलने के लिए कहा था। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोमवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी से एक शादी समारोह में मुलाकात हुई थी। उन्होंने मुझे नहीं बुलाया, बल्कि मेरे साथ एक व्यक्ति (अश्वनी कुमार) खड़े थे, जिन्होंने मिलने का समय मांगा था और उन्हें बुलाया है। जब नरेंद्र मोदी गुजरात के सीएम थे और मैं हरियाणा का मुख्यमंत्री था, उनसे मेरी हर रोज कॉन्फ्रेंस में मुलाकात होती थी। देश में लोकतंत्र है और उनसे हमारा राजनीतिक विरोध है, कोई व्यक्तिगत विरोध नहीं है। उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली हार पर कहा, दिल्ली सरकार के अहंकार का फायदा भाजपा को पहुंचा है। इसलिए उन्हें जीत मिली है। दरअसल, वायरल वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विवाह समारोह में शामिल लोगों से मिलते दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान वह हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पास आकर रुक जाते हैं। हुड्डा के बगल में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खड़े नजर आते हैं। पीएम मोदी हुड्डा को देखकर उनसे हाथ मिलाते हैं और कहते हैं कि हेलो हुड्डा साहब। इतना ही नहीं, जब प्रधानमंत्री आगे बढ़ते हैं तो दीपेंद्र हुड्डा को देखकर कहते हैं कि जूनियर हुड्डा साहब भी यहां हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल

भारत निर्वाचन आयोग लगातार विवादों में है। पिछले कुछ वर्षों में उसकी निष्पक्षता पर अनेक बार सवाल उठे हैं। जिस प्रकार के आरोप उस पर लगते रहे हैं, वह देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए ठीक नहीं है। आयोग ईवीएम से जुड़ीं शिकायतें आज तक दूर नहीं कर सका है। गौरतलब है कि वर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त अगली अठारह फरवरी को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। अब नई नियुक्ति केंद्र की ओर से वर्ष 2023 में लाए गए नए कानून के तहत हो सकती है। इस पर भी सवाल उठे हैं।

इस मुद्दे पर शीर्ष न्यायालय का कड़ा रुख दिख रहा है। उसने इस संबंध में दायर याचिकाओं पर सुनवाई की तारीख तय करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि इस बीच कुछ भी घटित होता है, तो उसके परिणाम अवश्य भुगतने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाया था कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, प्रधान न्यायाधीश और नेता प्रतिपक्ष की स्वतंत्र समिति करे, पर सरकार ने समिति से प्रधान न्यायाधीश को हटा दिया और उनकी जगह किसी मंत्री को सदस्य बना दिया। यह चुनावी लोकतंत्र के विरुद्ध माना गया। अब चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति केंद्र की इच्छा पर निर्भर हो गई है। विरोध इसी बात का है।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली से नागरिकों का जिस तरह भरोसा कमजोर हुआ है, वह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उचित नहीं कहा जा सकता। दागी नेता आज भी चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन आयोग उन्हें रोक नहीं पा रहा। वहीं आचार संहिता के उल्लंघन पर कार्रवाई में उसकी निष्पक्षता संदिग्ध दिखती है। मतदाता सूची में गड़बड़ी के भी गंभीर आरोप हैं। वह चाहे जितनी दलीलें दे, लेकिन हकीकत है कि कई राजनीतिक दल और मतदाता ईवीएम से संतुष्ट नहीं हैं।

आयोग ईवीएम में संग्रहीत आंकड़े बताने तक से इनकार करता रहा है। अब सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से कहा है कि ईवीएम में संग्रहीत आंकड़ों को न हटाया जाए। दरअसल, हरियाणा कांग्रेस के नेताओं ने याचिका दायर की है कि जली हुई ईवीएम की 'मेमोरी' और 'माइक्रोकंट्रोलर' को इंजीनियर से सत्यापित किया जाए कि ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं हुई है। मगर यहां सवाल सत्यापन से अधिक संदेह का है। आरोपों से घिरे आयोग को जवाब देना ही होगा।

सुनीता विलियम्स की वापसी का प्लान फाइनल, लेकिन खतरे कम नहीं; चलना भूलीं, याद करने में लगेंगे कई महीने

8 दिनों के लिए अंतरिक्ष गई सुनीता विलियम्स 8 महीनों से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में फंसी हैं। उनके धंसे गाल, कमजोर शरीर देखकर डॉक्टर भी चिंता जाहिर कर चुके हैं। राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रम्प ने इलॉन मस्क से कहा था- बहादुर अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाओ, जिन्हें बाइडेन ने अंतरिक्ष में छोड़ दिया है। आखिरकार 12 फरवरी को सुनीता की वापसी का प्लान फाइनल हो गया है। उन्हें 12 मार्च को धरती पर लाया जाएगा।

12 फरवरी को अमेरिकी स्पेस एजेंसी NASA ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट शेयर करते हुए सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को धरती पर वापस लाने का ऐलान किया। NASA इस मिशन को इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के साथ मिलकर पूरा करेगी। इसके लिए पुराना स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल का इस्तेमाल किया जाएगा।

बीते दिनों खबरें आईं थीं कि सुनीता को लेने के लिए नया कैप्सूल बनाया जा रहा है, लेकिन देरी के चलते पुराने कैप्सूल से मिशन पूरा करने का फैसला लिया गया।

12 मार्च को NASA स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल से क्रू-10 को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) भेजेगा।

इसमें एस्ट्रोनॉट ऐनी मैकक्लेन, निकोल एयर्स, ताकुया ओनिशी और रोस्कोस्मोस होंगे। फिर इसी कैप्सूल से सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को धरती पर वापस लाया जाएगा।

ISS में अमेरिकी स्पेसक्राफ्ट की पार्किंग के लिए अभी सिर्फ 2 स्पॉट हैं...

एक स्पॉट पर लगातार एक ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट खड़ा है ताकि स्पेस स्टेशन में आग लगने जैसी किसी इमरजेंसी में एस्ट्रोनॉट इस पर सवार हो सकें। ये एक लाइफ बोट की तरह है।

दूसरे स्पॉट पर स्पेसक्राफ्ट आते-जाते रहते हैं। यहीं पर स्पेसएक्स का ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट कैप्सूल क्रू-10 को लेकर पहुंचेगा।

इसके बाद सुनीता और बुच इसी कैप्सूल में बैठेंगे और अनडॉकिंग प्रोसेस शुरू होगी।'

ISS से धरती की दूरी 400 किमी है। धरती से पृथ्वी का वायुमंडल आसमान की ओर 100 किमी दूर है। ISS से धरती पर पहुंचने के लिए लगभग 3 घंटे का समय लगता है।

ISS से निकलने के बाद सुनीता और बुच का स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी के वायुमंडल यानी एटमॉस्फियर में एंटर करेगा, जिसे 'रीएंट्री' कहते हैं। यह प्रोसेस सबसे ज्यादा खतरनाक और जानलेवा साबित हो सकता है...

जब कोई एस्ट्रोनॉट धरती पर लौटता है तो उसकी बॉडी में कई तरह के बदलाव होते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) का नहीं होना है। इधर धरती पर हर एक एक्टिविटी ग्रैविटी पर निर्भर करती है। ऐसे में अंतरिक्ष से वापस धरती पर आने के बाद सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है...

1. धरती पर चलना भूल जाना

1 मार्च 2016 को अमरीकी एस्ट्रोनॉट स्कॉट केली और रूसी एस्ट्रोनॉट मिखाइल कॉर्निएंको अंतरिक्ष में 340 दिन बिताकर धरती पर वापस लौटते हैं। स्पेसक्राफ्ट से बाहर निकलते समय उनकी हालत काफी खराब दिखती है।

ऐसे में चार लोग उन्हें उठाकर लाते हैं और फिर एक आरामदायक कुर्सी में बिठा देते हैं। स्कॉट केली एक इंटरव्यू में बताते हैं कि धरती पर लौटने के बाद वे ठीक से चल नहीं पा रहे थे।

धरती पर चलना, दौड़ना, उठना-बैठना हमारी डेली लाइफ एक्टिविटीज हैं। साइंस की भाषा में समझें तो इन एक्टिविटीज में हमारी मांसपेशियां हमेशा ग्रैविटी के खिलाफ काम करती है। लेकिन अंतरिक्ष में ग्रैविटी नहीं होने से मांसपेशियों को काम करने की जरूरत नहीं होती। वहां एक तरह से एस्ट्रोनॉट्स उड़ते रहते हैं।

ऐसे में लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने की वजह से मस्कुलर वीकनेस यानी मांसपेशियां कमजोर होने लगती है। वहीं, हर महीने हड्डियों का घनत्व 1% कम हो जाता है। इससे खासतौर पर पैर, पीठ और गर्दन की मांसपेशियों पर इसका ज्यादा असर पड़ता है। इस वजह से एस्ट्रोनॉट्स को धरती पर वापसी के लंबे समय तक चलने फिरने में परेशानी होती है।

2. खड़े होने में परेशानी, अचानक जमीन पर गिर जाना

21 सितंबर 2006 को अमेरिकी एस्ट्रोनॉट हेडेमेरी स्टेफानीशिन-पाइपर (Heidemarie Stefanyshyn-Piper) शटर अटलांटिस मिशन के तहत 12 दिनों तक अंतरिक्ष में रहकर धरती पर वापस लौटीं थीं। उनके लिए एक स्वागत समारोह रखा गया था। जैसे ही उन्होंने मंच पर बोलना शुरू किया तो उनके पैर लड़खड़ाने लगे और वो अचानक गिर पड़ीं।

कानों और मस्तिष्क में एक वेस्टिबुलर सिस्टम (Vestibular System) होता है, जो हमारे शरीर को बैलेंस बनाए रखने में मदद करता है। अंतरिक्ष में ग्रैविटी नहीं होने के कारण यह सिस्टम सही से काम नहीं करता।

ऐसे में जब अंतरिक्ष यात्री धरती पर लौटते हैं, तो कुछ दिनों तक उन्हें खड़ा होने, संतुलन बनाने और शरीर के विभिन्न अंगों जैसे कि आंखें, हाथ, पैर के बीच कोऑर्डिनेशन बनाए रखने में समस्या आती है। यही वजह है कि एस्ट्रोनॉट्स को खड़े होने तक में परेशानी होती है।

3. चीजों को हवा में छोड़ देना

NASA के एस्ट्रोनॉट टॉम मार्शबर्न एक इंटरव्यू में अपने अंतरिक्ष यात्रा के अनुभवों को साझा कर रहे थे। तभी वो एक वाटर बोल्ट और पैन को हवा में छोड़ देते हैं। दोनों ही चीज जमीन पर गिर जाती हैं। फिर अचानक उन्हें याद आता है कि वो तो धरती पर हैं, जहां ग्रैविटी काम करती है। वो कहते हैं... स्टूपिड ग्रैविटी।

अंतरिक्ष में कई महीनों तक रहने के दौरान एस्ट्रोनॉट्स का मस्तिष्क और शरीर माइक्रोग्रैविटी के अनुकूल होने लगता है। वहां वे किसी भी चीज को हवा में छोड़ सकते हैं और वह तैरती रहती है, लेकिन धरती पर लौटने के बाद उनकी आदत बनी रहती है और वे अनजाने में चीजों को हवा में छोड़ देते हैं, यह भूलकर कि अब वे गिर जाएंगी।

4. कम दिखाई देना, अंधा होने का खतरा

कैनेडियन अंतरिक्ष यात्री क्रिस हैडफील्ड ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि अंतरिक्ष में रहने की वजह से मेरी दोनों ही आंखों में प्रॉब्लम होने लगी थी। मुझे लगा कि मैं अंधा न हो जाऊं।

स्पेस में जीरो-ग्रैविटी के कारण शरीर का तरल पदार्थ सिर की ओर बढ़ता है, जिससे आंखों के पीछे की नसों पर दबाव पड़ता है। इसे स्पेसफ्लाइट एसोसिएटेड न्यूरो-ओकुलर सिंड्रोम (SANS) कहा जाता है।

धरती पर आने के बाद जब एस्ट्रोनॉट्स का शरीर यहां के हिसाब से एडजस्ट करता है तो उस समय आंखों पर भी सीधा असर पड़ता है। इस वजह से कई एस्ट्रोनॉट्स को

धरती पर आने के बाद चश्मा लगाना पड़ता है।

इनके अलावा भी अंतरिक्ष से वापस धरती पर लौटने वाले एस्ट्रोनॉट्स को इम्यून सिस्टम का कमजोर होना, हाई लेवल रेडिएशन से कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा, डीएनए में बदलाव, कार्डियोवैस्कुलर प्रॉब्लम, मानसिक बीमारियों जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है।

विशेष

विकास खितौलिया

सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं संत रविदास

भारत भूमि अवतारों, ऋषि-मुनियों व संत महात्माओं की धरा है। इस पावन भूमि पर बड़े-बड़े साधु-संत पैदा हुए हैं। उन्होंने अपने योग, तप, ज्ञान के बल पर लोगों को सच्चाई के रास्ते पर जीने की राह दिखाई। माना कि आजकल धर्म, अधर्म की राह पर चल पड़ा है। माना कि अब नकली संतों की भरमार है फिर भी यही की भूमि ही धर्म और संतों की है। इन्ही संत-महात्माओं ने सामाजिक समरसता एवं वसुधैव कुटुम्बकम् का अहम संदेश भी दिया इसलिए भारत के प्रत्येक नागरिक ने जयतु भारतवर्ष, जयतु सनातन संस्कृति के भाव को अपने भीतर समेटे रखा है। इस भाव को ही तो सामाजिक समरसता कहा जाता है। जहां भारत देश में विदेशी आक्रांताओं द्वारा अनेक आक्रमण हुए, अनेक बार यहां की संस्कृति पर प्रहार हुआ और जिस कारण सभी समाजों में अनेक कुरीतियों ने जन्म लिया। इन्हीं कुरीतियों को अपनी वाणियों एवं संदेशों द्वारा समाप्त करने के लिए अनेक ऋषि-मुनियों व संत महात्माओं ने भारत भूमि पर जन्म लिया। इसी क्रम में संत रविदास हैं जिन्होंने सामाजिक समरसता के विचार का उद्घोष किया। वह एक उच्च कोटि के साधक और विनीत भगवत भक्त भी थे। रविदास को पंजाब में रविदास कहा गया तो उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान में उन्हें रैदास के नाम से जाना गया। गुजरात और महाराष्ट्र के लोग 'रोहिदास' और बंगाल के लोग उन्हें 'उड़दास' कहते हैं। कई पुरानी पांडुलिपियों में उन्हें रायादास, रेदास, रेमदास और तैदास के नाम से भी जाना गया है। कहते हैं कि रविदास ने रविवार के दिन जन्म लिया था, जिस कारण इनका नाम रविदास रखा गया। संत शिरोमणि कवि रविदास का जन्म माघ पूर्णिमा को 1376 ईस्वी वाराणसी शहर के गोबर्धनपुर गांव में हुआ था। उनकी माता का नाम कमां देवी (कलसा) तथा पिता का नाम संतोख दास (रम्बु) था। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ, जब उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में मुगलों का शासन था। चारों ओर अत्याचार, गरीबी, भ्रष्टाचार व अशिक्षा का बोलबाला था। संत रविदास बचपन से ही भक्ति में लीन रहते थे। उनकी प्रतिभा को जानकर स्वामी रामानंदाचार्य ने उन्हें अपना शिष्य बनाया। स्वामी रामानंदाचार्य वैष्णव भक्तिधारा के महान संत थे। संत रविदास ने अपने दोहों व पदों के माध्यम से समाज में जातिगत भेदभाव को दूर कर सामाजिक एकता पर बल दिया और मानवतावादी मूल्यों की नींव रखी। इतना ही नहीं, वे एक ऐसे समाज की कल्पना भी करते थे, जहां किसी भी प्रकार का लोभ, लालच, दुख, दरिद्रता, भेदभाव नहीं हो। उन्होंने सीधे-सीधे लिखा कि 'रैदास जन्म के कारने होत न कोई नीच, नर कूं नीच कर डारि है, ओछे करम की नीच' यानी कोई भी व्यक्ति सिर्फ अपने कर्म से नीच होता है। कोई भी व्यक्ति जन्म के हिसाब से कभी नीच नहीं होता। संत रविदास ने अपनी कविताओं के लिए जनसाधारण की ब्रजभाषा का प्रयोग किया है। साथ ही इसमें अवधी, राजस्थानी, खड़ी बोली और रेख्ता यानी उर्दू-फारसी के शब्दों का भी मिश्रण है। रविदास के लगभग चालीस पद सिख धर्म के पवित्र धर्मग्रंथ गुरुग्रंथ साहब में भी सम्मिलित किए गए हैं। संत रविदास की ख्याति लगातार बढ़ रही थी जिसके चलते उनके लाखों भक्त थे जिनमें हरेक जाति के लोग शामिल थे। चित्तौड़गढ़ में संत रविदास की छतरी बनी हुई है। उन्होंने वाराणसी में 1540 ईस्वी में अपना देह छोड़ दिया। वाराणसी में संत रविदास का भव्य प्रसिद्ध सिद्ध स्थान है, जो सिद्ध पीठ गुरुद्वारा, मंदिर और मठ है। जहां सभी जाति के लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। वाराणसी में श्री गुरु रविदास पार्क है जो नगवा में उनके यादगार के रूप में बनाया गया है उसमे उनके नाम पर गुरु रविदास स्मारक और पार्क बना है। रविदास को लेकर तमाम शोध पूर्व में भी हुए हैं लेकिन सरल भाषा में कहा जाए तो रविदास जी 'समता के प्रतीक' थे। ये भारत के लिए गर्व की बात है कि दुनिया के लगभग 150 देशों में रविदास की जयंती को मनाया जाता है। आखिर रविदास की वाणी में ऐसा क्या था, जिसे पूरा विश्व मानता है, रविदास की वाणी के कई पक्ष हैं जिन पर ज्यादा चर्चा नहीं हुई है। उनको जाति व्यवस्था के आलोचक के रूप में ही लोग जानते हैं लेकिन उनका व्यक्तित्व अपने में बहुत विशाल है और उसके बहुत से पक्ष भी हैं। रविदास का जन्म समाज में निचली मानी जाने वाली चमार जाति में हुआ। उनका एक प्रसिद्ध दोहा था 'मन चंगा तो कटौती में गंगा'। अर्थात मन शुद्ध होना चाहिए, कमंडल में जल भी गंगा समान है। बहरहाल रविदास ने समाज जीवन को समग्रता के साथ देखा। इस आधार पर देखा जाए तो रविदासजी दुनिया के पहले समाजवादी भी थे।

(लेखक पत्रकार और विचारक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

'छिद्रान्वेषण', जो लोग दूसरों में ढूंढ़ते हैं दोष

संकलित

दर्शन

लोग प्रायः दूसरों में दोष ढूंढ़ने में लगे रहते हैं। इसी को छिद्रान्वेषण कहते हैं। ऐसा करने वाले लोग अपने बड़े-बड़े दोषों को देखते हुए भी नहीं देख पाते। फिर भी दूसरों में दोष निकालने से बाज नहीं आते। यह प्रवृत्ति न केवल स्वयं के लिए, अपितु समाज के लिए भी घातक है। इसी कारण समाज में ईर्ष्या, द्वेष और वैमनस्य का परिवेश बनता है। इसका सर्वाधिक विपरीत प्रभाव उन लोगों के मनोबल पर पड़ता है, जो ईमानदारी से समाज और देश की सेवा कर जीवन यापन करना चाहते हैं। छिद्रान्वेषी प्रवृत्ति अमूमन उन्हीं लोगों में देखने को मिलती है जो स्वयं बुराइयों के भंडार होते हैं। इससे उनकी सकारात्मक ऊर्जा का निरंतर क्षरण होता है और स्वयं का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इसीलिए चाणक्य ने कहा है, 'मनुष्य की यह प्रवृत्ति कभी अपने भीतर सद्गुणों का विकास नहीं होने देती।' परिणामस्वरूप मन, वाणी और कर्म तीनों कलुषित हो जाते हैं। महाभारत में दुर्योधन छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का सबसे बड़ा उदाहरण है। उसने कभी अपने दोष देखने का प्रयास नहीं किया। इसीलिए उसके मन, वाणी और कर्म सभी कलुषित हो गए। एक बार गुरु द्रोण ने दुर्योधन और युधिष्ठिर दोनों को राज्य में साधु पुरुषों की गणना के लिए भेजा तो दुर्योधन को कोई साधु पुरुष मिला ही नहीं। यह दुर्योधन की छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का परिणाम था। इसके विपरीत युधिष्ठिर को कोई दुर्जन व्यक्ति नहीं मिला। वास्तव में दूसरे के दोष देखने का अधिकार उसी को है, जिसमें वह बुराई न हो।

चंद्र देव को दक्ष ने दे दिया था शाप

संकलित

प्रेरणा

चंद्र और दक्ष प्रजापति से जुड़ी कथा है। दक्ष प्रजापति ने अपनी 27 पुत्रियों का विवाह चंद्र देव से किया था। दक्ष की सभी पुत्रियों में रोहिणी सबसे सुंदर थी। इसी वजह से चंद्र रोहिणी से अधिक प्रेम करते थे और बाकी पत्नियों पर ध्यान नहीं देते थे। इस कारण दक्ष की शेष 26 पुत्रियों को रोहिणी से जलन होने लगी। इन 26 पुत्रियों ने ये बात अपने पिता प्रजापति दक्ष से कह दी। दक्ष ये सुनकर गुस्सा हो गए और उन्होंने चंद्र को धीरे-धीरे क्षीण होने यानी खत्म होने का शाप दे दिया। दक्ष के शाप से चंद्र देव धीरे-धीरे घटने लगा यानी खत्म होने लगे। चंद्र देव ने दक्ष के शाप का असर खत्म करने के लिए ब्रह्माजी से मदद मांगी। तब ब्रह्मा जी ने चंद्र को सलाह दी कि उन्हें प्रभास क्षेत्र (सोमनाथ का क्षेत्र) में शिव जी को प्रसन्न करने के लिए तप करो। शिव जी की कृपा से तुम्हारी समस्याएं दूर हो जाएंगी। ब्रह्मा जी की बात मानकर चंद्र ने प्रभाष क्षेत्र में शिवलिंग स्थापित किया और तपस्या शुरू कर दी। चंद्र के कठोर तप से प्रसन्न होकर शिव जी प्रकट हुए और दक्ष के शाप का असर कम करके अमर होने का वरदान दे दिया। दक्ष के शाप का असर कम होने से चंद्र कृष्ण पक्ष में क्षीण यानी खत्म होता है और शुक्ल पक्ष में चंद्र बढ़ने लगता है। पूर्णिमा को पूर्ण रूप हो जाता है। चंद्र देव ने शिव जी से प्रार्थना की थी कि वे प्रभाष क्षेत्र में ही वास करें। चंद्र देव की प्रार्थना मानकर भगवान ज्योति स्वरूप में प्रभाष क्षेत्र में विराजित हो गए। यहां चंद्र देव ने शिवलिंग स्थापित किया था, इसी वजह से इस शिवलिंग का नाम सोमनाथ पड़ा है।

अंतर्मन

आज की पाती

स्वामी दयानंद सरस्वती जी की शिक्षाएं

आर्य समाज के संस्थापक, समाज को अंधविश्वास और रूढ़िवादिता की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म 12 फरवरी 1824 को भारत की भूमि गुजरात के टंकारा में हुआ था। उनका बचपन का नाम मूलशंकर अंबाशंकर तिवारी था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा संस्कृत में हुई थी। उन्होंने बचपन में संस्कृत और वेदों का ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने वर्ष 1876 में हम भारतीयों के लिए भारत में स्वराज की मांग सबसे पहले की थी। इसके बाद लोकमान्य तिलक ने इसे आगे बढ़ाने में अपना योगदान दिया था। उन्होंने जीवन की सच्चाई जानने के लिए सांसारिक सुखों को भी त्याग दिया था। हिंदू धर्म के लिए बहुत काम किए थे। हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए भी बहुत से प्रयत्न किए। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। - *उपेन्द्र तिवारी, राजनांदगांव*

ट्रेंड

शोक की घड़ी

राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी महंत सत्येंद दास के देहावसान से अत्यंत दुख हुआ है। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों एवं अनुयायियों को संबल प्रदान करे। ओम शांति!

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं

सिख धर्म के सातवें गुरु हर राय साहिब के प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। गुरु हर राय जी का जीवन सेवा, साहस और संयम का पर्याय है। सत्य, अहिंसा और जनसेवा के प्रति समर्पण की प्रतिमूर्ति गुरु हर राय के आदर्श समस्त देशवासियों के लिए प्रेरणादायक है।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

सरकार संज्ञान ले

कुशीनगर जिला प्रशासन द्वारा हाटा नगर क्षेत्र में मदनी मस्जिद के कथित अवैध निर्माण को तोड़े जाने की खबर है। उसको लेकर लोगों में आक्रोश स्वाभाविक है। यूपी सरकार अविलम्ब संज्ञान लेकर प्रशासन की ऐसी कार्रवाइयों पर रोक लगाए।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

बदलाव का स्वागत

भारत एआई क्रांति को आगे बढ़ाने और बढ़ावा देने के चौराहे पर खड़ा है। यह क्रांति अभूतपूर्व गति से परिवर्तन लाएगी, जो अधिकांश लोगों को अराजकता जैसा महसूस होगा। हम बदलाव का स्वागत करते हैं।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

क्या मस्क अमेरिकी सरकार पर नियंत्रण हासिल कर रहे

अमेरिका के कई लोग इस बात से भयभीत हैं कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क को हाल के हफ्तों में अमेरिकी सरकार के विभिन्न कार्यालयों में 'हस्तक्षेप' की अनुमति दी गई है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन तथा भरोसेमंद लोगों की एक छोटी सी टीम के सहयोग से मस्क ने अमेरिका की विशाल संघीय नौकरशाही पर सफलतापूर्वक 'नियंत्रण' हासिल कर लिया है। मंगलवार को ट्रंप ने एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिससे मस्क को और भी अधिक शक्ति मिल गई। इसके तहत संघीय एजेंसियों को अपने कर्मचारियों की संख्या में कटौती करने और नई नियुक्तियों को प्रतिबंधित करने में मस्क की अगुवाई वाले 'सरकारी दक्षता विभाग' (जिसे डीओजीई के नाम से जाना जाता है) के साथ सहयोग करना होगा। ट्रंप प्रशासन में एक 'विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में शामिल होने के बाद मीडिया को दी गई अपनी पहली टिप्पणी में, मस्क ने इस आलोचना का भी जवाब दिया कि वह अमेरिकी सरकार पर 'जबरन नियंत्रण' हासिल कर रहे हैं। लोगों ने प्रमुख सरकारी सुधार के लिए मतदान किया था और यही परिणाम उन्हें मिलने वाला है।

ऑफ बीट

पृथ्वी ग्लोबल वार्मिंग की सीमा पार कर रही

दो प्रमुख वैश्विक अध्ययनों में कहा गया है कि पृथ्वी ग्लोबल वार्मिंग के संबंध में निर्धारित 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर रही है और ग्रह की जलवायु संभवतः भयावह स्तर पर एक नए चरण में प्रवेश कर गई है। जलवायु परिवर्तन पर ऐतिहासिक 2015 पेरिस समझौते के तहत मानवता ने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और ग्रह के तापमान को पूर्व-औद्योगिक औसत से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक न जाने देने की मांग उठाई है। 2024 में, पृथ्वी पर तापमान उस सीमा को पार कर गया। अभी जारी किए गए दो शोधपत्र एक अलग माप का उपयोग करते हैं। दोनों ने यह निर्धारित करने के लिए ऐतिहासिक जलवायु डेटा की पड़ताल की कि क्या हाल के दिनों में बहुत गर्म वर्ष इस बात का संकेत थे कि भविष्य में, आंकड़े दीर्घकालिक तापमान सीमा से परे चले जाएंगे। उत्तर, चिंताजनक रूप से, हाँ था। शोधकर्ताओं का कहना है कि रिकॉर्ड-गर्म 2024 इंगित करता है कि पृथ्वी 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा पार कर रही है, जिसके परे वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर जीवन का समर्थन करने वाली प्राकृतिक प्रणालियों को विनाशकारी नुकसान की भविष्यवाणी की है।

किरोड़ीलाल ने दिया जवाब- मेरे पास फोन-टैपिंग का इनपुट था

-2 दिन पहले मिला था नोटिस; लिखा- सामाजिक कार्यक्रम में बात रखी, किसी ने वायरल कर दिया

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने फोन टैपिंग के बयान को लेकर मिले अनुशासनहीनता के नोटिस का जवाब दे दिया है। किरोड़ी ने बुधवार (12 फरवरी) ई-मेल के जरिए अपना जवाब प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को भेजा है। जवाब की कॉपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भी भेजी है। अपने जवाब में किरोड़ी ने कहा - मेरा फोन टैप हो रहा है। इसका इनपुट मुझे मिला था। मैंने मीडिया में किसी से भी यह बात नहीं कही। मैंने सामाजिक कार्यक्रम में अपनी बात रखी थी। जिसे किसी ने वायरल कर दिया। मैने हमेशा पार्टी के लिए काम किया है। मैं पार्टी का अनुशासित सिपाही हूं।

आज जवाब देने का था आखिरी दिन:- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सोमवार (10 फरवरी) को कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा को अनुशासनहीनता का नोटिस भेजा था। पार्टी ने किरोड़ी के फोन टैपिंग के बयान को अनुशासनहीनता माना था। किरोड़ी को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा गया है। इससे पहले ही आज मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने अपना जवाब पार्टी प्रदेशाध्यक्ष को भेज दिया है। किरोड़ी के आरोपों पर सदन में हुआ था जमकर हंगामा:- दरअसल, किरोड़ीलाल के बयानों के कारण कांग्रेस ने विधानसभा में सरकार को जमकर घेरा था। इसके बाद पार्टी हाईकमान एक्टिव हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मदन राठौड़ से इस बारे में चर्चा की थी, इसके बाद उन्हें नोटिस भेजा गया। नोटिस में कहा गया था कि सार्वजनिक रूप से बयान देकर भाजपा नीत सरकार पर फोन टैप कराने का आरोप लगाया, जो असत्य है। आपने बयान देकर भाजपा की बहुमत वाली सरकार की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का काम किया है। किरोड़ी के फोन टैपिंग के आरोपी के बाद विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ था। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से इस्तीफा की मांग भी की थी। नेता प्रतिपक्ष ने विरोध के चलते राज्यपाल के अभिभाषण पर भाषण तक नहीं दिया था।

रीको द्वारा मातासुला औद्योगिक क्षेत्र में सोलर पीवी मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी को भूमि आवंटित

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत किए गए एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए रीको तेजी से भूखण्ड आवंटित कर रहा है और इसी कड़ी में रीको द्वारा गुरुग्राम स्थित सनकाइंड फोटोवोल्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड को 5-5 एकड़ के दो भूखंड जयपुर के मातासुला औद्योगिक क्षेत्र में सोलर पीवी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना के लिए आवंटित किया गया है। इस परियोजना के तहत सनकाइंड 1.5 गीगावाट सालाना क्षमता के सोलर पीवी मॉड्यूल का निर्माण करेगा, जो सोलर एनर्जी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट का एक प्रमुख हिस्सा है। इस परियोजना के लिए कम्पनी सनकाइंड ने मई 2024 में 5-एकड़ जमीन आवंटन हेतु रीको को आवेदन दिया था। इसके बाद, रीको ने भूखण्ड आवंटन जल्दी से करने के लिए पहले ई-ऑक्शन किया और जमीन आवंटित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा करते हुए 60 दिनों के भीतर कम्पनी को जुलाई में जमीन उपलब्ध करायी। इसके बाद, पिछले साल नवंबर महीने में अतिरिक्त 5-एकड़ जमीन भी कंपनी को दी गयी और इसी दौरान, सनकाइंड फोटोवोल्टिक्स ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत राज्य सरकार के साथ इस परियोजना में 200 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एमओयू किया। निवेश प्रस्तावों के सफल कार्यान्वयन में भूखण्ड आवंटन की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बोलते हुए उद्योग और वाणिज्य के प्रमुख शासन सचिव और रीको के चेयरमैन श्री अजिताभ शर्मा ने कहा, "रीको का मुख्य उद्देश्य न केवल संबंधित कंपनियों को एक उपयुक्त भूखण्ड मुहैय्या कराना है, बल्कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से पूरा करना है। माननीय मुख्यमंत्रीजी के नेतृत्व में हम सभी निवेशकों को साथ लेकर, भूखंड आवंटन सहित उनकी सभी जरूरतों को फास्ट-ट्रैक मोड में पूरा करने में लगे हुए हैं। रीको की मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार ने कहा, "भूमि आवंटन से संबंधित सभी प्रमुख प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए रीको प्रतिबद्ध है। किसी भी औद्योगिक उद्यम को शुरू करने के लिए जमीन एक प्रमुख आवश्यकता है और निवेशकों को तेजी से भूखंड आवंटन सुनिश्चित करने के लिए हम सारे आवश्यक कदम उठा रहे हैं।"

जयपुर होकर चलेगी महाकुंभ स्पेशल ट्रेनें

-15,19 और 16 फरवरी को श्रीगंगानगर से होगी रवाना, सीकर, रींगस, अलवर स्टेशनों पर भी होगा ठहराव

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। महाकुंभ मेले में यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने विशेष ट्रेनों का संचालन किया है, जिनमें दो ट्रेनें जयपुर होकर गुजरेंगी। ये ट्रेनें श्रीगंगानगर से बरौनी और कोलकाता के लिए चलाई जा रही हैं, जिनका मार्ग में कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव रहेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने बताया कि महाकुंभ मेले के मद्देनजर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ये विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। जयपुर सहित राजस्थान के विभिन्न स्टेशनों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज और अन्य धार्मिक स्थलों की यात्रा करते हैं। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों में एसी, शयनयान और साधारण कोच की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। श्रीगंगानगर-बरौनी महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का संचालन एक ट्रिप के लिए किया जा रहा है। ट्रेन संख्या 04723, श्रीगंगानगर से 15 फरवरी 2025 को शाम 3:35 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 3:30 बजे जयपुर पहुंचेगी। यहां से 3:40 बजे प्रस्थान कर यह ट्रेन 17 फरवरी को सुबह 9:00 बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04724, 17 फरवरी को रात 11:00 बजे बरौनी से रवाना होगी और 19 फरवरी को रात 2:50 बजे जयपुर पहुंचेगी। जयपुर से 3:00 बजे प्रस्थान कर यह ट्रेन उसी दिन दोपहर 2:30 बजे श्रीगंगानगर पहुंचेगी। यह ट्रेन जयपुर के अलावा सीकर, रींगस, बांदीकुई, भरतपुर, आगरा फोर्ट, टूंडला, प्रयागराज और पं. दीनदयाल उपाध्याय सहित कई स्टेशनों पर रुकेगी। इसके अलावा, श्रीगंगानगर-कोलकाता पैसेंजर सह पार्सल स्पेशल ट्रेन का संचालन दो ट्रिप में किया जाएगा। ट्रेन संख्या 04731, श्रीगंगानगर से 19 और 26 फरवरी को रात 11:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन शाम 4:00 बजे जयपुर पहुंचेगी। यहां से 4:10 बजे प्रस्थान कर यह ट्रेन 21 और 28 फरवरी को सुबह 8:50 बजे कोलकाता पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04732, 23 फरवरी और 2 मार्च को सुबह 9:05 बजे कोलकाता से रवाना होगी और अगले दिन रात 7:20 बजे जयपुर पहुंचेगी। यहां से 7:30 बजे प्रस्थान कर यह ट्रेन 25 फरवरी और 4 मार्च को सुबह 11:45 बजे श्रीगंगानगर पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव जयपुर के अलावा सीकर, रींगस, अलवर, मथुरा, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, धनबाद, आसनसोल समेत कई स्टेशनों पर रहेगा।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना की अंतिम तिथि बढ़ाई, अब 15 फरवरी तक कर सकेंगे आवेदन

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत के निर्देश पर विभाग ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में ऑनलाइन आवेदन की तिथि को बढ़ाकर 15 फरवरी कर दिया है। मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं एवं सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने एवं समान अवसर प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा ऑनलाईन पोर्टल पर सूचीबद्ध कोचिंग संस्थानों में निःशुल्क कोचिंग करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से वर्ष 2024-25 के लिए ऑनलाइन आवेदन किये जाने की तिथि पूर्व में 1 से 10 फरवरी 2025 निर्धारित की गई थी। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग बचनेश अग्रवाल ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी निःशुल्क कोचिंग करने के लिए ऑनलाइन आवेदन किये जाने की पूर्व में निर्धारित अंतिम तिथि को 15 फरवरी 2025 तक बढ़ा दिया गया है। अग्रवाल ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन SSO Portal (https://sso.rajasthan.gov.in) पर लॉग-इन कर CM Anuprati Coaching आइकन के माध्यम से 15 फरवरी 2025 तक विभाग को ऑनलाइन किये जा सकते हैं।

राज्य मानव अधिकार आयोग देगा विधि विद्यार्थियों को 15 दिवसीय प्रशिक्षण -महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न सत्रों का होगा आयोजन

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायाधिपति जी आर मूलचंदानी ने बुधवार को सचिवालय में आयोग द्वारा विधि विद्यार्थियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय शीतकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मूलचंदानी ने कहा कि मानवाधिकारों की रक्षा में अधिवक्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से विधि विद्यार्थी मानवाधिकारों को कानूनी, सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से समझकर समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। इस दौरान आयोग के सदस्य अशोक कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को मानवाधिकारों की संक्षिप्त में जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने विद्यार्थियों को कठोर परिश्रम कर इच्छित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। आयोग की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संध्या यादव ने बताया कि इंटर्नशिप कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थाओं, समाजसेवी संस्थाओं, पुलिस एवं प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों, विश्वविद्यालयों, यूनिसेफ, वरिष्ठ अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान आयोजित करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इंटर्नशिप में आउटडोर विजिट के दौरान प्रतिभागियों को जयपुर स्थित केंद्रीय कारागार, महिला कारागार, बाल संप्रेषण गृह एवं बाल संरक्षण न्यायालय सहित पुलिस थानों की कार्यशैली से अवगत कराया जाएगा। डॉ. संध्या ने बताया कि इस 15 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन 5 मार्च तक किया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत राजस्थान सहित उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के विधि संकाय के 52 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। कार्यक्रम में आयोग के सदस्य न्यायाधिपति श्री आर सी झाला, आयोग के रजिस्ट्रार श्री संजय कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्री सुष्मित व्यास तथा आयोग की उप सचिव प्रगति आसोपा मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-2.0 की समयबद्ध क्रियान्वयन के दिए निर्देश

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। निदेशक एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग मुहम्मद जुनैद द्वारा विभाग के समस्त परियोजना प्रबंधक एवं निदेशालय स्तर के समस्त अतिरिक्त निदेशक एवं संयुक्त निदशकों के साथ विभाग में जारी समस्त परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गयी। निदेशक द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-2.0 WDC एवं मुख्यमंत्री जल स्वावलबंन अभियान योजनाओं के अन्तर्गत कार्यों की स्वीकृति उनके क्रियान्वयन एवं प्रगति हेतु समय सारणी बनाकर उनके अनुसार क्रियान्वयन करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने जिन परियोजना प्रबंधकों की प्रगति कम थी उन्हें यथासंभव निर्धारित लक्ष्य अनुसार कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। इस संबंध में सम्बन्धित जिला परिषद के मुख्य कार्य कारी अधिकारी, सम्बन्धित जिला कलक्टर एवं लाईन डिपार्टमेन्ट के विभागीय अधिकारियों से सम्पर्क कर कार्यों की अधिकतम स्वीकृति एवं उनके क्रियान्वयन हेतु अधिक जोर दिया गया। उन्होंने प्रदेश में जारी जलग्रहण यात्रा के बेहतर समन्वय से जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन के सहयोग से यात्रा के अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति हेतु पूर्णतः समर्पित होकर कार्य करने का निर्देश दिया गया।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में KKC की प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित

-संगठन को सशक्त बनाने पर दिया जोर

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, इंदिरा गांधी भवन, जयपुर में असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस (KKC) की प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता KKC के प्रदेश अध्यक्ष सूरजमल कर्दम ने की, जबकि राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर प्रमोद गांधी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय अधिवेशन और प्रदेश अधिवेशन को लेकर गहन मंथन किया गया। सूरजमल कर्दम और प्रमोद गांधी ने संगठन को प्रदेश, जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संगठन में वर्षों से निष्क्रिय लोगों पर संगठनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर धनसिंह नरुका, डॉ. अरविंद जायसवाल, और प्रशून शर्मा को संगठन में नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। बैठक में कांग्रेस प्रदेश सचिव अयूब खान, प्रदेश संगठन महासचिव अकील अहमद, संगठन महासचिव प्रेम सिंह मीणा, प्रदेश महासचिव शाईस्ताअली, राम प्रसाद गुर्जर, राजेश नायक, मुर्तुजा अली, शिब्बू खान, अशोक कुमार शर्मा, रामाराम कोली, पारस जैन, गायत्री देवी, सरोज गहलोत, जाकिर खान, हाकीम पठान, जिग्नेश राजोरा सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को नए सिरे से सशक्त बनाने और भविष्य के राष्ट्रीय व प्रदेश अधिवेशनों की रूपरेखा तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, KKC को मजबूत और सक्रिय बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने का संकल्प लिया गया।

"सरकारी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले स्टूनडेंट्स की अंग्रेजी कमजोर," गहलोत बोले- रोजगार पाने में हो रही परेशानी

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थीन के पूर्व मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि नई सरकार इन स्कूलों को बंद करने का इरादा रखती है. उन्होंने सरकार से मांग की कि वह इंग्लिश मीडियम स्कूलों पर अपनी नीति स्पष्ट करे. राजस्थाहन के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार से महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम स्कूलों को लेकर अपनी नीति स्पष्ट करने की मांग की है.गहलोत ने नीति आयोग की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देश के सरकारी विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की अंग्रेजी कमजोर है, जिससे उन्हें रोजगार पाने में परेशानी हो रही है. उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने इसी उद्देश्य से गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम स्कूल खोले थे.

"स्कूपल को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्धी कराया":- पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वसुंधरा राजे सरकार ने केवल जिला मुख्यालयों पर विवेकानंद मॉडल इंग्लिश मीडियम स्कूल खोले थे, लेकिन कांग्रेस सरकार ने उन्हें बंद करने के बजाय बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टाफ उपलब्ध कराया. इसके अलावा, अंग्रेजी मीडियम शिक्षा को और बढ़ावा देने के लिए महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल भी खोले गए.

सीएम मनासरोवर महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम स्कूल गए थे:- गहलोत ने यह भी उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दो दिन पहले जयपुर के मानसरोवर स्थित महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम स्कूल गए थे. उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि वहां के शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर और बच्चों की नॉलेज देखकर मुख्यमंत्री अब इन स्कूलों को बढ़ावा देने का मन बना चुके होंगे."

अंतर्राष्ट्रीय यूनानी दिवस पर जयपुर में समारोह, निदेशक डॉ. मनमोहन खींची ने किया संबोधन

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के प्रतापनगर स्थित निदेशालय यूनानी चिकित्सा विभाग में अंतर्राष्ट्रीय यूनानी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। यह दिवस महान चिकित्सक हकीम अजमल खान की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्होंने यूनानी चिकित्सा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। समारोह की शुरुआत निदेशक डॉ. मनमोहन खींची द्वारा हकीम अजमल खान और यूनानी चिकित्सा के जनक हकीम बुकरात के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक डॉ. शौकत अली, उपनिदेशक डॉ. हनुमान प्रसाद, डॉ. ओमप्रकाश बसंवाल, डॉ. महमूद अहसन, सहायक निदेशक डॉ. देवेंद्र कुमार राजौरा, डॉ. हरनाथ सिंह गौरा और औषधि निरीक्षक डॉ. विजय कुमार सांवरिया सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने हकीम अजमल खान और हकीम बुकरात के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके चिकित्सा क्षेत्र में किए गए योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने यूनानी चिकित्सा के सिद्धांतों और उनकी वर्तमान चिकित्सा पद्धति में प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान निदेशक डॉ. मनमोहन खींची ने सभी यूनानी चिकित्सकों को इस चिकित्सा पद्धति के प्रचार-प्रसार के लिए प्रेरित किया और इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा, "यूनानी चिकित्सा प्राकृतिक उपचार पद्धति है, जो आमजन के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। हमें इसे अपनी जीवनशैली में शामिल करना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसके फायदे बताने चाहिए।

पर्यटकों के लिए पसंदीदा स्पॉट बना जयपुर का यह जगह

- 135 प्रजाति के दुर्लभ पक्षियों का कर सकते हैं दीदार

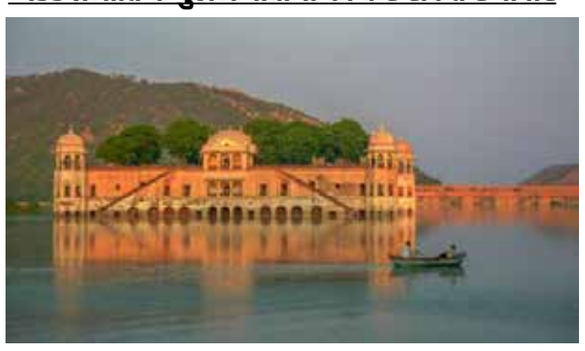

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। बसंत उत्सव का सीजन चल रहा है और बसंत के समय हर साल जयपुर में विदेशी मेहमान के रूप में पक्षी जयपुर आते हैं। इसके लिए हर साल जयपुर जलमहल पर बर्ड फेयर का आयोजन किया जाता है। अभी जलमहल के पाल पर बर्ड फेयर चल रहा है, जहां विदेशी पक्षियों को देखने के लिए लोग दूर-दूर से पहुंच रहें हैं। जलमहल पर अभी 135 प्रजाति के पक्षी यहां पहुंचे हैं, जिनमें साइबेरियन पेलिकन जैसे पक्षी शामिल हैं। इस साल जलमहल पर 28वें बर्ड फेयर का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के लिए विशेष रूप से केवलादेव नेशनल पार्क से आए बर्ड एक्सपर्ट विजिटर्स को उपकरणों की मदद से बर्ड वॉचिंग करवा रहे हैं। आपको बता दें कि जलमहल पर शाम के समय लोगों की भीड़ सबसे ज्यादा उमड़ती है और अभी बर्ड फेयर के चलते भारी संख्या में यहां लोग पहुंच रहें हैं। जलमहल पर हर साल बसंत के आस-पास मंगोलिया, चीन, साइबेरिया, यूरोप जैसे स्थानों से पक्षी आते हैं, इसलिए जलमहल को बर्ड टूरिज्म स्पोट के तौर पर विकसित की भी तैयारी चल रही हैं।

मॉर्निंग स्टार सेंट एंसलम स्कूल में विदाई समारोह

-असफिया नाज बनीं मिस फेयरवेल

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। सांगानेर स्थित मॉर्निंग स्टार सेंट एंसलम स्कूल में कक्षा 12वीं के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। असफिया नाज को मिस फेयरवेल और हर्षित को मिस्टर फेयरवेल चुना गया। प्रधानाचार्य फादर लॉरेंस ने छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएँ दीं। समारोह का समापन स्मृति चिह्न भेंट और जलपान के साथ हुआ।

शायर सलाम मुज़्तर की "कोई किस्सा छेड़ दे" पुस्तक का हुआ भव्य विमोचन

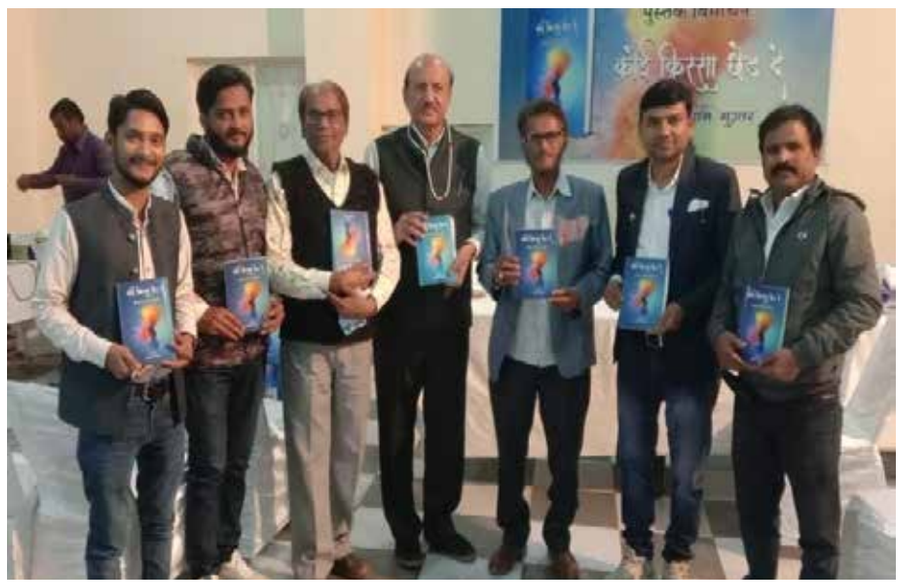

शब्बीर हुसैन

छबड़ा.(रॉयल पत्रिका)12 फ़रवरी। छबड़ा क़स्बे के निवासी शायर अब्दुल सलाम मुज़्तर द्वारा लिखी गई पुस्तक "कोई किस्सा छेड़ दे" का मंगलवार रात्रि को क़स्बे के एक निजी होटल में भव्य विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रोफेसर रहीम खान ने बताया कि क़स्बे की निजी होटल में मंगलवार रात्रि को कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसमें क़स्बे के निवासी शायर अब्दुल सलाम मुज़्तर द्वारा लिखी गई ग़ज़ल संग्रह पुस्तक "कोई किस्सा छेड़ दे" का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेस निज़ामुद्दीन खान रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार एवं लेखक रिजवान ऐजाज़ी ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में छबड़ा पेंशनर संघ के अध्यक्ष हरीश पाठक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अब्दुल हादी खान ने नात शरीफ सुनाकर की। कार्यक्रम के दौरान कवि रामकरण मेहता, दयाल परमार व देवेंद्र सिसोदिया ने भी काव्य पाठ किया तथा अब्दुल सलाम मुज़्तर को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर शायर सलाम मुज़्तर ने भी अपनी क़िताब से उपस्थित श्रोताओं को ग़ज़ल और शेरो शायरी सुनाकर वाहवाही लूटी। मुख्य अतिथि निज़ामुद्दीन खान ने सलाम मुज़्तर को बधाई देते हुए कहा कि उनकी रचनाओं की वज़ह से छबड़ा कस्बे को पूरे देश में पहचान मिली है। अध्यक्षता कर रहे साहित्यकार रिज़वान एजाज़ी ने कहा कि साहित्य की दुनिया में छबड़ा का नाम हमेशा रोशन रहा है और उसमें चार चांद लगाने का काम शायर सलाम मुज़्तर कर रहे हैं। सभी अतिथियों का स्वागत अबुल कलाम ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर रहीम खान ने किया। अंत में सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित एडवोकेट हस्सान खान ने किया। कार्यक्रम में एडवोकेट सईद फारूकी, माजिद तिलक, पवन कुमार मीणा, मोहम्मद इकरार, पार्षद शाकिर खान, पार्षद आदिल सालारगाजी, पार्षद खालिद राणा, अमजद राइन, बुलंद इक़बाल, सदर साजिद खान, शराफत अंजान, आसिफ इकबाल, अयाज़ फारूकी, हाफिज शेरा, ताहिर खान, शकील खान, इमरान खान, मुजाहिद वहाब, आमिर सिद्दीकी, वली अहमद, मनीष मालव, राजा रॉयल, शाकिर चांवलखेड़ी, इरफ़ान आदि कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

वकीलों के संगठन के वेबिनार में बोले वक्ता

जयपुर.(रॉयल पत्रिका) : वकीलों के संगठन ऑल इंडिया एसोसिएशन फॉर जस्टिस (AILAJ) की राजस्थान प्रदेश ईकाई ने शाहिद आज़मी की 15वीं बरसी पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट अंसार इंदौरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि वेबिनार की शुरुआत में एडवोकेट शाहिद आज़मी के किए बहादुराना न्यायिक कार्यों पर प्रकाश डाला गया। वेबिनार की शुरुआत करते हुए कन्वीनर एडवोकेट अन्सार इन्दौरी ने बताया कि "मैं सौ बार मर चुका हूं और अगर मौत दस्तक दे रही है, तो मैं इसे आंखों में देखूंगा।" ये बात मासूमों के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले बहादुर वकील शहीद शाहिद आजमी ने कही थी। साल 2010 में उनके चैंबर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। लगभग सात वर्षों के अपने प्रैक्टिस में, आज़मी ने कई केस लड़े और बेगुनाहों को बरी करवाया। वेबिनार में बोलते हुए पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि न्यायपालिका को और ज़्यादा स्वतंत्र बनाने की ज़रूरत है। आज कई न्यायधीश पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर आदेश दे रहे हैं। जनता के पास न्याय के लिए आखिरी दरवाज़ा अदालत ही होती है।

वेबिनार में बोलते हुए दिल्ली के मानवधिकार अधिवक्ता एडवोकेट फ़वाज शाहीन ने कहा कि लगभग सात सालों की छोटी सी अवधि में शाहिद आज़मी ने 17 लोगों को आतंकवाद के झूठे मनगढ़ंत इल्ज़ाम से बरी करवाया था।समाज और मीडिया की आलोचना के पात्र बन चुके लोगों का बचाव करना एक डिफेंस क्रिमिनल वकील के लिए सुरक्षित क्षेत्र नहीं है। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट क्लिफ्टन ने अपने संबोधन में कहा कि आज पूरे देश में इंसाफ पसन्द वकीलों का एकजुट होना बहुत जरूरी है। फासीवादी ताकते देश की बार एसोसियशनो पर काबिज़ हो रही हैं।

जब बार मजबूत होती है तो वो बेंच को भी प्रभावित करती है। देश के इंसाफ पसन्द वकीलों को हाशिए पर धकेल दिए वर्गों के अधिकारों के लिए मजबूती से कानूनी लड़ाई लड़ना समय की मांग और मानवाधिकार आंदोलन की मजबूती के लिए आवश्यक है। वेबिनार में शामिल विभिन्न राज्यों के अधिवक्ताओं ने वक्ताओं से विषय से संबंधित प्रश्न किए जिनके वक्ताओं ने उत्तर दिए। अंत में कन्वीनर एडवोकेट अन्सार इन्दौरी ने सभी वक्ताओं और श्रोताओं को धन्यवाद दिया।

कोटा में शिशुओं के लिए मदर मिल्क बैंक

-जेकेलोन अस्पताल में 1 करोड़ की लागत से बन रहा, 90% काम पूरा हुआ

कोटा(रॉयल पत्रिका)। संभाग के सबसे बड़े मातृ एवं शिशु जेके लोन हॉस्पिटल परिसर में बनाया गया मदर मिल्क बैंक। जिन माताओं के शिशु की जन्म के बाद मौत हो जाती हैं या फिर जिन माताओं के दूध अधिक रहता है। वह इस मदर मिल्क बैंक में डोनेट कर सकेंगे।

1 करोड़ की लागत से बना मदर मिल्क बैंक:- जेकेलोन हॉस्पिटल अधीक्षक डॉक्टर निर्मला शर्मा ने बताया कि एनएचएम के द्वारा बनाया गया मदर मिल्क बैंक का 90 प्रतिशत तक काम पूरा हो चुका है। हॉस्पिटल परिसर में नर्सिंग कॉलेज के नजदीक में मदर मिल्क बैंक तकरीबन 1 करोड़ की लागत से बन चुका है। मदर मिल्क बैंक सभी मिशनरी लग चुकी है लेकिन पाश्चराइज्ड मशीन के इंस्टॉलेशन को लेकर काफी देरी हो रही है। पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट मेडिकल कॉलेज में बात की गई है। मशीन के इंस्टॉलेशन को लेकर इंजीनियर को बुलाया गया है। 7 दिनो में मशीन के इंस्टॉलेशन का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

संक्रमण से बचाने की मशीन भी लगाई:- निर्मला शर्मा ने बताया कि जेके लोन हॉस्पिटल में मदर बैंक में एक डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ की टीम तैयार की गई है। जिन माताओ के शिशु की जन्म के बाद मौत हो जाती हैं या फिर जिन माताओ के दूध अधिक रहता है वो इस मदर मिल्क बैंक में डोनेट कर सकते है। इसको लेकर सभी महिलाओं को मोटिवेट किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मिल्क डोनेट को लेकर प्रसुताओं की पहले जांच भी की जाएगी। किसी प्रकार का संक्रमण एचआईवी, हेपेटाइटिस तो नही है संक्रमित माता का दूध हम नहीं लेते। किसी भी तरह की बीमारी जो की मां के दूध से बच्चों में जा सकती है। इसी के साथ मदर मिल्क बैंक में दूध को संक्रमण से बचाने के लिए भी मशीन लगाई गई है। इसी के साथ दूध को स्टोरेज करने के लिए भी डी फ्रिज लगाए गए हैं। ताकि दूध अधिक दिनों तक उपयोग किया जा सके।

स्कूलों में शैक्षणिक स्तर और व्यवस्थाओं की जांच

-गंगापुर सिटी में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने किया 4 स्कूलों का औचक निरीक्षण

गंगापुर(रॉयल पत्रिका)। सिटी में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गायत्री वरमेंदू ने बुधवार को क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों का अचानक निरीक्षण किया। उन्होंने गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल उमरी सहित चार स्कूलों का दौरा कर शैक्षणिक और बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। उमरी स्कूल में कलेक्टर के निर्देश पर आरोपी बलराम के साथ मिड डे मील, मिशन संवाद, आईसीटी लैब और कक्षाओं में चल रहे शिक्षण कार्य का निरीक्षण किया। विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर शैक्षणिक स्तर की जांच की और प्रिंसिपल महेशचंद गुप्ता से कंप्यूटर कक्ष व पुस्तकालय की जानकारी ली। इसके अलावा, राजकीय प्राथमिक विद्यालय माली ढाणी सलारपुर में पेयजल की समस्या मिली, जिसके लिए जनसहयोग से समाधान के निर्देश दिए गए। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सलारपुर में किचन में प्रकाश व्यवस्था और छत सुरक्षा के लिए दीवार निर्माण का निर्देश दिया। राजकीय प्राथमिक विद्यालय नयापुरा नौगांव में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने, रसोई में बर्तनों की साफ-सफाई और हाथ धोने की अलग व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी स्कूलों में कक्षा व्यवस्था को नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करने को कहा गया।

शेरे शेखावाटी सरदार हरलाल सिंह की 125वीं जयंती मनाई

मंडावा/झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। बुधवार को हनुमानपुरा में शेरे शेखावाटी सरदार हरलाल सिंह की 125वीं जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरपंच सुमित्रा सेवदा ने कहा कि सरदार हरलाल सिंह के बताए मार्ग पर चलकर बेहतर सफलता पाई जा सकती है। सेवदा ने कहा कि सरदार हरलाल सिंह ने 1925 में गांव व समाज के लिए स्कूल की स्थापना कर दूरदृष्टि सोच का परिचय दिया था। इस अवसर पर नरेश खादीवाला ने कहा कि किसानों के मसीहा सरदार हरलाल सिंह ने अपने जीवन काल में सदैव दूसरों की भलाई की। जिसके कारण सरदार हरलाल सिंह को हर वर्ष उनकी याद में जयंती और पुण्य तिथि पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। खादीवाला ने कहा कि आजादी से पहले किसानों की स्थिति बहुत ही बदतर थी। जिसे सुधारने के लिए सरदार हरलाल सिंह ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच फूलसिंह दूलड़, सुभाष सेवदा, प्रदीप दूलड़, लक्ष्मण दूलड़,प्रधानाध्यापक जवाहर सिंह काला, अशोक दूलड़, सुभोद दूलड, संदीप, मनीराम सेवदा सहित अनेक ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

विधायक की विवादित टिप्पणी पर सर्व समाज का आंदोलन खत्म

-डीआईजी ने जांच का दिया आश्वासन, SCST सेल के सीओ को सौंपी जिम्मेदारी

हनुमानगढ़(रॉयल पत्रिका)। हनुमानगढ़ में एक विधायक द्वारा समाज विशेष के खिलाफ की गई विवादित टिप्पणी के विरोध में चल रहा बेमियादी धरना बुधवार को समाप्त हो गया। पांच फरवरी से जिला कलेक्ट्रेट के सामने चल रहा यह धरना पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) अरशद अली और सह पुलिस अधीक्षक के साथ सकारात्मक बातचीत के बाद खत्म हुआ। सर्व समाज के प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख मांग थी कि विधायक की टिप्पणी की जांच उच्च स्तर की बजाय स्थानीय स्तर पर निष्पक्ष रूप से की जाए। इस मांग को स्वीकार करते हुए डीआईजी अरशद अली ने एससी/एसटी सेल के सीओ रणवीर साईं को जांच की जिम्मेदारी सौंप दी है। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि वे कानून के अनुसार शीघ्र जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। वार्ता के दौरान सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि स्थानीय स्तर पर त्वरित और निष्पक्ष जांच से मामले का समाधान जल्द निकल सकेगा। डीआईजी के आश्वासन के बाद आंदोलनकारियों ने धरना समाप्त करने का निर्णय लिया। सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की और कहा कि अधिकारियों ने संवेदनशीलता के साथ मामले को संभाला है। अब सभी की नजरें स्थानीय स्तर पर होने वाली जांच पर टिकी हैं, जिससे मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की उम्मीद जगी है।

बूंदी के कोलासपुरा में भालू ने मचाया आतंक

बूंदी(रॉयल पत्रिका)। जिले के लाखेरी उपखंड के कोलासपुरा गांव में मंगलवार रात को एक भालू के आने से हड़कंप मच गया। रात करीब 8 बजे ग्रामीणों ने भालू को गांव में घूमते देखा, जिसके बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने शोर मचाकर भालू को भगाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ और शोर से घबराकर भालू नीम के पेड़ पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही इंदरगढ़ के क्षेत्रीय वन अधिकारी जितेन्द्र कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। लाखेरी एसडीएम ने इंदरगढ़ तहसीलदार राजेन्द्र मीणा और पुलिस को भी घटनास्थल पर भेजा। अधिकारियों ने सबसे पहले भीड़ को दूर करवाया और भालू की निगरानी शुरू की। जब काफी समय तक भालू पेड़ से नीचे नहीं उतरा, तो रणथंभौर से विशेष रेस्क्यू टीम को बुलाया गया। कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने भालू का सफल रेस्क्यू किया, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। रेस्क्यू ऑपरेशन में केशोरायपाटन के सहायक वन संरक्षक विवेक जागिंड, बलवन और इंदरगढ़ नाका प्रभारी सुमेर सिंह, राम कुमार बैरवा के साथ सवाईमाधोपुर से आई रेस्क्यू टीम के जसकरण और मायाराम भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 8 मार्च को

-प्रि-लिटिगेशन प्रकरण पेश करने को लेकर प्रशासन, राजकीय विभागों, बैंक एवं वित्तीय संस्थाओं के साथ बैठक आयोजित

पाली(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार 8 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। प्री-लिटिगेशन के संदर्भ में यह राष्ट्रीय लोक अदालत धारा 138 परक्राम्य विलेख अधिनियम, धन वसूली के प्रकरण, बिजली, पानी एवं अन्य बिल भुगतान से संबंधित प्रकरण और लंबित प्रकरणों के सन्दर्भ में राजीनामा योग्य फौजदारी प्रकरण, अंतर्गत धारा 138 परक्राम्य विलेख अधिनियम, धन वसूली मामले, एम.ए.सी.टी. मामले, बिजली, पानी एवं अन्य बिल भुगतान से संबंधित प्रकरण (अशमनीय के अलावा), वैवाहिक विवाद (तलाक को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रकरण, सिविल मामले एवं अन्य राजीनामा योग्य मामलों के संबंध में आयोजित की जावेगी। बैंक एवं वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्राप्त प्रकरणों में प्री-काउंसलिंग के माध्यम से भी लोक अदालत से पूर्व प्रकरणों मे राजीनामा करवाने के प्रयास किये जायेंगे तथा जिला मुख्यालय एवं तालुका स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत से पूर्व प्री-काउंसलिंग के माध्यम से राजीनामा करवाने के प्रयास भी किये जायेंगे एवं आमजन मे लोक अदालत के प्रति जागरुकता एवं लोक अदालत के फायदो से भी अवगत करवाया जायेगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश), पाली विक्रम सिंह भाटी की अध्यक्षता में पाली मुख्यालय के बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों व राजकीय विभागों के अधिकारियों के साथ आज बुधवार को बैठक का आयोजन किया गया। राजस्व प्रकरणों के क्रम में सीमाज्ञान, पैमाइश, नामान्तरण, शुद्धि प्रकरण आदि विभिन्न प्रकृति के प्रकरणों को लोक अदालत मे रेफर करने एवं प्री-काउंसलिंग के माध्यम से पक्षकारान मे राजीनामा के माध्यम से निस्तारण तथा बैंक एवं वित्तीय संस्थानों से उपस्थित अधिकारीगण को निर्देश दिये कि ऋण/बकाया बिलों की वसूली प्रकरणों का लोक अदालत में अधिक संख्या में निस्तारण होता है। ऋण/बकाया बिलों के प्री-लिटिगेशन प्रकरण समय रहते प्रस्तुत करें ताकि पक्षकारान को समय पर नोटिस जारी किया जा सके एवं राजीनामा के समुचित प्रयास किये जा सकें। बैठक मे लीड बैंक के धर्मेंद्र कुमार बैरवा पाली, पंचायती राज जिला परिषद मदन सिंह, सीएमएचओ कार्यालय डॉ. विरेंद्र पाल सिंह, जन स्वा. अभि. विभाग शोभा कुमारी, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग जयप्रकाश अरोड़ा , कृषि विभाग प्रदीप कुमार छाजेड़ आदि अधिकारीगण उपस्थित रहें।

देवासी आर्टिकल्स का शुभारंभ किया

बसोली(रॉयल पत्रिका)। फोरलेन हाइवे 52 स्थित अशोक फैक्ट्री पर देवासी आर्टिकल्स का शुभारंभ हुआ। पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने उद्घाटन किया। प्रधान प्रतिनिधि भैरुप्रकाश माहेश्वरी, ठीकरदा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच रामकिशन सैनी, सरपंच सत्यप्रकाश शर्मा, सथूर ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि मुकेश कोटवाल और सरपंच मुकेश कुमावत शामिल रहे।

बरकतों वाली रात है "शबे बराअत: सूफी सैफुल्लाह क़ादरी

"शबे बराअत" को लेकर मुस्लिम धर्मावलम्बियों ने मस्जिदों, मदरसों, घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई के कार्य शुरु कर दिए हैं। इस साल "शबे बराअत" 13 फरवरी को मनाया जाएगा। इसे लेकर बाज़ारों में रौनक़ बढ़ गई है। ग़ौसे आज़म फाउंडेशन के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष, हमदर्दे क़ौम व मिल्लत, पीरे तरीक़त, हुजूर सैफे मिल्लत, हज़रत मौलाना सूफी मोहम्मद सैफुल्लाह ख़ां क़ादरी ने बताया कि इस्लामी कैलेंडर के आठवें महीने को "शअ़बान" कहा जाता है और "माहे शअ़बान" की 15वीं रात को "शबे बराअत" कहा जाता है। उन्होंने बताया कि "शबे बराअत" का अर्थ होता है "छुटकारे की रात", क्योंकि इस रात तौबा क़बूल होती है। इस में अल्लाह की रहमत व नेकियों के दरवाज़े खुल जाते हैं। बरकतों का नुज़ूल होता है और बंदों की खताएं (गुनाह) बारगाहे इलाही में मुआफ़ की जाती हैं। सूफी मोहम्मद सैफुल्लाह ख़ां क़ादरी ने बताया कि मज़हबे इस्लाम में "शअ़बान" एक मुक़द्दस महीना माना जाता है। इस महीना को हज़रत मोहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अ़लैहे वसल्लम का महीना कहा जाता है। पैगम्बार हज़रत मोहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अ़लैहे वसल्लम ने फरमाया कि इस रात में जागो और दूसरे दिन रोज़ा रखो। उन्होंने बताया कि इस रात अल्लाह अपनी शान व शौकत के मुताबिक़ आसमान से दुनिया में रहमतों का नुज़ूल फ़रमाता है और ऐलान करता है कि... है कोई मग़फीरत का चाहने वाला कि उसे बख़्श दूं, है कोई रिज़्क़ मांगने वाला कि उसे रिज़्क़ दूं, है कोई बीमार कि उसे शिफ़ा दूं। है कोई ऐसा, है कोई ऐसा। यह सिलसिला सुबह फज्र तक जारी रहता है। सूफ़ी मोहम्मद सैफुल्लाह ख़ां क़ादरी ने बताया कि "शबे बराअत" में रात भर अल्लाह की इबादत में गुज़ारना बहुत बड़ी नेकी है। इस रात में क़ब्रिस्तान जाकर क़ब्रो की ज़ियारत करने और क़ुरआन शरीफ़ की तिलावत, नफ़्ल व तहजूद की नमाज़ अदा करके अल्लाह से अपने गुनाहों की मग़फीरत मांगने से, अल्लाह बंदों के गुनाहों की बख़्शीश फ़रमा देता है

नशे मे उपयोग होने वाली गैर एनडीपीएस घटक की पांच हजार टेबलेट्स बरामद

पाली(रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री व पुलिस अधीक्षक पाली के नशे के विरूद्ध अभियान के अन्तर्गत एवं आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान के निर्देशन में आज बुधवार को नशे के उपयोग में ली जाने वाली टैबलेट्स कार्रवाई कर बरामद की गयी । कार्यालय जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण पाली के सहायक औषधि नियन्त्रक भरत गोस्वामी ने बताया कि आज बुधवार को औषधि नियन्त्रण अधिकारी माधव सिंह पाली, निरीक्षक पुलिस थानाधिकारी बाबुलाल जांगीड, पुलिस थाना बगडी, कैलाश सिंह हैड कांस्टेबल व महेन्द्र राम कांस्टेबल पुलिस थाना बगडी के साथ संयुक्त रूप से प्रभावी कार्यवाही करते हुये केवलचन्द्र पुत्र कुम्भाराम निवासी कुम्हारों का वास, ग्राम केलवाद सोजत जिला पाली के रहवासीय मकान से नशे मे उपयोग होने वाली गैर एनडीपीएस घटक की पांच हजार टेबलेट्स (Tapentadol Tablets 100mg (Tentadol-100)) जिसका निर्माता Laborate Pharmaceuticals India Ltd (Unit-II) #31, Rajban Raod, Nariwala, Paonta Sahib (H.P.) बरामद की गयी।

उन्होंने बताया कि बरामद की गयी समस्त औषधियों को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के तहत नमूना लेने के पश्चात जब्त कर जब्तीकरण किया गया। प्रारम्भिक जांच में पता चला कि उक्त औषधियों को गणेशराम पुत्र केवलचन्द्र द्वारा नशे के तौर पर बेचा जा रहा था जो कि मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि जब्त की गयी औषधियों की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 1.50 लाख रुपये है। औषधि नियंत्रण अधिकारी माधव सिंह ने बताया कि केवलचन्द्र द्वारा अधिनियम की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन किया गया जिसमें 03 से 05 वर्ष तक की सजा व न्यूनतम एक लाख रूपये जुर्माना का प्रावधान है। केवलचन्द्र द्वारा औषधिया कहां से खरीदी गयी एवं आपूर्ति श्रृंखला में आदि का अनुसंधान जारी है।

पैक्स कंप्यूटराइजेशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए जाडन ग्राम सेवा सहकारी समिति का राज्य स्तर पर सम्मान

पाली(रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड जयपुर की ओर से अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष में सहकारिता विकास की नई राह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड विनोद दाधीच ने बताया कि सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संगठनों व संस्थाओं को सम्मानित किया गया। सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक एवं प्रमुख सचिव मंजू राजपाल की उपस्थिति में समारोह में पाली जिले के जाडन ग्राम सेवा सहकारी समिति के व्यवस्थापक जसवीर सिंह को राज्य स्तर पर प्रथम स्थान पर पैक्स कंप्यूटराइजेशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नाबार्ड जयपुर के सीजीएम डॉ राजीव भी मौजूद रहे।

राज्यपाल की शोक संवेदना

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या धाम के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र कुमार दास जी महाराज के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बागडे ने कहा कि उनका गोलोक गमन अध्यात्म की और हमारी सनातन संस्कृति की अपूरणीय क्षति है। बागडे ने ईश्वर से पुण्यात्मा की शांति और शोकाकुल अनुयायियों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

गुजरात इंजेक्ट (केरल) लिमिटेड ने तीसरी तिमाही के मजबूत नतीजों की घोषणा की

वडोदरा एजेंसी। बीएसई लिस्टेड, गुजरात इंजेक्ट (केरल) लिमिटेड (बीएसई-524238) देश में कृषि उत्पादों के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध अग्रणी कंपनी है। कंपनी ने दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 4500 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। कंपनी थोक सब्जियों और फलों का व्यापार करने में माहिर है। यह सीधे किसानों से ताजा उपज प्राप्त करती है और गुणवत्ता, ताजगी और दोषरहित आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करते हुए इसे दुकानदारों तक पहुंचाती है। गुजरात इंजेक्ट (केरल) का दिसंबर-2024 तिमाही का शुद्ध लाभ 21.16 लाख रुपए था, जो गत वर्ष की हुए शुद्ध लाभ 0.46 लाख की तुलना में 45 गुना ज्यादा अधिक रहा। इसके अलावा, दिसंबर-2024 तिमाही में कंपनी की आय 315.23 लाख रुपए थी, जो गत वर्ष इसी समयावधि में 21.59 लाख दर्ज की गई थी, यह कंपनी की 1,360 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्शाता है। दिसंबर-2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए, गुजरात इंजेक्ट (केरल) की आवक 1,480.86 लाख रुपए दर्ज की गई है जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 36.96 लाख रुपए थी। यानी यह 3,906 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। साथ ही, नौ महीने की अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 94.40 लाख रुपए था, जो पिछले वर्ष इसी समयावधि में 4.48 लाख रुपए से 2,007 प्रतिशत अधिक है। गुजरात इंजेक्ट (केरल) के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपए है और शुक्रवार, 7 फरवरी, 2025 को इसका समापन मूल्य 27.13 रुपए था। पिछले 52 हफ्तों में, शेयर 28 रुपए की उच्च और 8.74 रुपए का न्यूनतम स्तर देखा गया है। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 38.04 करोड़ रुपए है। पिछले वर्षों में उल्लेखनीय गतिविधि की कमी के बाद, कंपनी ने पिछले दो वर्षों के दौरान अपने प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार दिखाया है। कंपनी का बेहतर प्रदर्शन उसके शेयर मूल्य में भी परिलक्षित होता है, जिसमें पिछले महीने 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा ट्रेडिंग वॉल्यूम भी बढ़ गया है, जो स्टॉक में सकारात्मक गति का संकेत दे रहा है।

वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लिमिटेड ने दर्ज की 3830 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री

वड़ोदरा , एजेंसी। ब्राण्ड्स 'जॉय ई-बाईक' और 'जॉय ई-रिक' के तहत इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली अग्रणी निर्माता वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लिमिटेड ने जनवरी 2025 में 3830 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बेचे हैं, जिसमें हाई-स्पीड एवं लो-स्पीड मॉडल शामिल हैं। इस दृष्टि से कंपनी ने जनवरी 2024 की तुलना में 18.76 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है, जब 3225 युनिट्स बेची गई थीं।

इसके अलावा, कंपनी ने 'जॉय ई-रिक' ब्राण्ड के तहत 22 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन बेचे, जिसमें पैसेंजर और कमर्शियल वाहन शामिल हैं। इस परफोर्मेन्स पर बात करते हुए श्री यतिन गुप्ते, चेयरमैन एवं प्रबन्ध निदेशक, वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लिमिटेड ने कहा, ''हमने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में 18.76 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 2025 की शानदार शुरूआत की है, जो स्थायी परिवहन को बढ़ावा देते हुए जॉय ई-बाईक ब्राण्ड में उपभोक्ताओं के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। सरकार ईवी सिस्टम को सशक्त बनाने तथा स्वच्छ परिवहन को सशक्त बनाने पर ध्यान दे रही है, ऐसे में हम उद्योग जगत में स्थायी विकास को लेकर आशावादी हैं। हमारे इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों के बढ़ते अडॉप्शन से स्पष्ट है कि किफ़ायती एवं पर्यावरण के अनुकूल परिवहन समाधानों की मांग बढ़ रही है। वार्डविज़र्ड में हम हरित भविष्य की ओर भारत के रूपान्तरण को समर्थन प्रदान करते हुए इनोवेशन्स के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उद्योग जगत में मुख्य प्लेयर के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत बनाते हुए वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी ने हाल ही में न्यूयॉर्क की लिथियम आयन बैटरी टेक्नोलॉजी कंपनी सी4वी के साथ एमओयू साईन किया था, गौरतलब है कि सी4वी बैटरी सैल डिज़ाइन एवं ऑप्टिमाइज़ेशन में विशेषज्ञ है।

ट्रंप ने स्टील और एल्युमिनियम पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया

अमेरिका के इस फैसले से भारत के एक्सपोर्ट पर भी असर पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक के बाद एक नया टैरिफ लगाते जा रहे हैं। अब उन्होंने कहा है कि वह स्टील और एल्युमिनियम के आयात पर 25 फीसदी शुल्क लगाएंगे। यह फैसला भारत और अमेरिका के बीच व्यापार के एक पुराने विवादित मुद्दे से जुड़ा है। हालांकि यह शुल्क सभी देशों से होने वाले स्टील और एल्युमिनियम के आयात पर लगाया जाएगा।

अमेरिका के इस फैसले से भारत के 1.27 अरब डॉलर (करीब 11 हजार करोड़ रुपये) के एक्सपोर्ट पर असर पड़ सकता है। भारत ने अमेरिका को वित्त वर्ष 2023-24 में 1.27 अरब डॉलर का स्टील और एल्युमिनियम एक्सपोर्ट किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी बुधवार से अमेरिका के दो दिवसीय दौरे पर होंगे। वह ट्रंप से भी मुलाकात करेंगे। ऐसे में माना जा रहा है कि स्टील और एल्युमिनियम पर टैरिफ को लेकर कुछ चर्चा हो सकती है।

दोनों देशों के बीच रहा है कुछ विवाद- स्टील और एल्युमिनियम का व्यापार भारत और अमेरिका के बीच हमेशा से एक विवाद का विषय रहा है। अमेरिका, भारत पर इन निर्यातों को सब्सिडी देने का आरोप लगाता रहा है। सब्सिडी का मतलब होता है कि सरकार अपनी कंपनियों को पैसे देती है ताकि वो कम दाम पर सामान बेच सकें।

साल 2023 में पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे के दौरान दोनों देशों ने विश्व व्यापार संगठन के सामने धातुओं से जुड़े छह विवादों को सुलझाने पर सहमति जताई थी। लेकिन अक्टूबर में अमेरिका ने एल्युमिनियम आयात की कुछ श्रेणियों पर 39.5 फीसदी तक का शुल्क लगा दिया था। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप द्वारा घोषित 25 फीसदी शुल्क इन पर कैसे लागू होगा।

क्या पड़ेगा असर- भारत अमेरिका को जितना स्टील और एल्युमिनियम एक्सपोर्ट करता है, स्टील की हिस्सेदारी कम है। भारत कुल एक्सपोर्ट में करीब 5 फीसदी की अमेरिका को बेचता है। लेकिन एल्युमिनियम में मामला बड़ा है। भारत करीब 12 फीसदी एल्युमिनियम अमेरिका को एक्सपोर्ट करता है। अगर अमेरिका इस पर टैरिफ लगाता है तो इससे एक्सपोर्ट पर बड़ा असर दिखाई देगा।

बैंकों में नकदी की किल्लत, कर्ज की किस्त घटने में लग सकते हैं तीन माह; रेपो दर घटने के बाद अहम बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने करीब पांच साल के बाद पहली बार रेपो दर में 0.25 फीसदी की कटौती कर विभिन्न प्रकार के कर्ज लेने वाले ग्राहकों को राहत तो दी, लेकिन इसका लाभ मिलने में अब भी दो से तीन महीने का समय लग सकता है। इसकी प्रमुख वजह है...बैंकों के पास नकदी की किल्लत। इस समस्या से बाहर निकलने के लिए बैंक रेपो दर में कटौती के बाद भी ज्यादा ब्याज देकर जमा जुटाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इससे बैंकों को जरूर फायदा होगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि जिन लोगों ने फिक्स्ड दर पर कर्ज लिया है, उन्हें रेपो दर में कटौती का लाभ पाने में बहुत अधिक समय लग सकता है। हालांकि, फ्लोटिंग दर पर कर्ज लेने वाले ग्राहकों को इसका लाभ जल्द मिलने की उम्मीद है। फिर भी, दोनों प्रकार के ग्राहकों को इसका फायदा मिलने में दो-तीन महीने लग सकते हैं। इसके बाद ही उनकी मासिक किस्त (ईएमआई) में कमी आएगी।

क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अजीत वेलोनी ने कहा, फ्लोटिंग दर वाले कर्जों का बढ़ता अनुपात कुल लोन बुक का 40 फीसदी से अधिक पहुंच गया है और यह बाहरी दरों पर आधारित है। इसलिए, उधारकर्ताओं को ब्याज दर घटने के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। बंधन एएमसी में फिक्स्ड इनकम के प्रमुख सुयश चौधरी ने कहा, ब्याज दर में कटौती के लिए बैंकों को पहले अपनी वित्तीय स्थिति की समीक्षा करनी होगी, जैसा वे हर बार करते हैं। नए वित्त वर्ष यानी 2025-26 की पहली तिमाही जैसे ही शुरू होगी और नकदी के मोर्चे पर सुधार होगा, बैंक कर्ज की ब्याज दरों को कम करना शुरू कर सकते हैं।

2.50 लाख करोड़ घट सकती है नकदी- विशेषज्ञों ने भविष्य में नकदी की स्थिति को लेकर चिंता जताई है। फरवरी, 2025 में सुधार दिखाने के बाद अगर आरबीआई अतिरिक्त तरलता उपाय लागू नहीं करता है, तो मार्च, 2025 के अंत तक प्रणाली की नकदी में 2.50 लाख करोड़ रुपये तक कमी आ सकती है। इससे बैंकों पर दबाव और ज्यादा बढ़ेगा, जिससे ब्याज दरें घटने में देरी होगी। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा, बाहरी बेंचमार्क से जुड़े ऋणों पर दर में कटौती का तत्काल असर हो सकता है।

जमाकर्ताओं के लिए मुनाफा कमाने का मौका- वर्तमान जमाकर्ताओं पर रेपो दर घटने या बढ़ने का कोई असर नहीं होगा। लेकिन, बैंकों को मिलने वाले नए जमा पर इसका असर जरूर देखने को मिलेगा।विशेषज्ञों का कहना है कि जमा को लेकर बैंकों के बीच प्रतिस्पर्धा का माहौल है। ऐसे में बैंक अगर जमा पर ब्याज दरें घटाते हैं, तो ग्राहक अपना पैसा निकालकर किसी और साधन में निवेश कर सकते हैं। ऐसे में बैंक इन जमाओं को बनाए रखने और नए ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कुछ और समय तक ऊंची ब्याज दर को बनाए रख सकते हैं।

अस्पताल, मेडिकल कॉलेज में हेल्थकेयर पर 6000 करोड़ खर्च करेगा अडानी समूह

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह हेल्थ सेक्टर में बड़ा निवेश करने वाला है। यह समूह मेयो क्लिनिक के साथ साझेदारी में हेल्थ इंफ्रा पर 6,000 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसके तहत मुंबई और अहमदाबाद में दो 1,000 बिस्तर वाले मल्टी-स्पेशियल्टी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जाएगी। समूह ने इस पहल के लिए अमेरिका की मेयो क्लिनिक ग्लोबल कंसल्टिंग को रणनीतिक सलाहकार के रूप में चुना है। मेयो क्लिनिक इन अस्पतालों में संगठनात्मक उद्देश्यों, क्लिनिकल प्रक्रियाओं, डिजिटल, आईटी और हेल्थ सर्विस की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

गौतम अडानी ने क्या कहा- गौतम अडानी ने कहा- दो साल पहले, मेरे 60वें जन्मदिन पर मुझे उपहार के रूप में मेरे परिवार ने हेल्थ सर्विस, एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट के

लिए 60,000 करोड़ रुपये देने का वादा किया था। इसी के तहत अडानी हेल्थ सिटी का प्रोजेक्ट है। यह प्रोजेक्ट भारतीय समाज के हर वर्ग के लोगों को किफायती, विश्वस्तरीय हेल्थ सर्विसेज देने की दिशा में अहम होगा।

क्या है अडानी समूह का प्लान

अडानी समूह की ओर से जारी बयान में कहा गया है- समूह पूरे भारत में समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए किफायती, विश्वस्तरीय चिकित्सा देखभाल और चिकित्सा शिक्षा की लागत को पूरी तरह से वहन करेगा। इसी के तहत अहमदाबाद और मुंबई में 6,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। बयान में विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा गया कि गौतम अडानी ने भारत के अलग-अलग शहरों और कस्बों में ऐसे अन्य इंटीग्रेटेड 'अडानी हेल्थ सिटी' की योजना बनाई है। इन इंटीग्रेटेड कैंपस में प्रत्येक में 1,000 बिस्तर वाले मल्टी-स्पेशियल्टी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज होंगे।

मेडिकल कॉलेज की बात करें तो इसमें हर साल 150 अंडरग्रेजुएट, 80 से अधिक रेजिडेंट और 40 से अधिक फेलो को प्रवेश मिलेगा। इसमें स्टेप-डाउन और ट्रांजिशनल केयर फैसलिटीज और अत्याधुनिक रिसर्च सेंटर शामिल होंगे। समूह ने बताया कि इस पहल का मकसद सभी तरह के सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की सेवा करना, चिकित्सकों की अगली पीढ़ी को प्रशिक्षित करना और रिसर्च, एआई और बायोमेडिकल एरिया पर ध्यान केंद्रित करना है।

नायका शेयर पर टूटे निवेशक, मजबूत नतीजे से ब्रोकरेज गदगद, 200 के पार जाएगा भाव !

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार में भारी गिरावट के बीच नायका की मूल कंपनी एफएसएन ई-कॉमर्स के शेयरों पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 11 फरवरी को यह शेयर 3 प्रतिशत चढ़ गया। ट्रेडिंग के दौरान 175 रुपये पर पहुंच गया। बता दें कि अगस्त 2024 में शेयर 229.90 रुपये पर पहुंच गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। वहीं, 13 फरवरी को शेयर 139.95 रुपये के निचले स्तर पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

कंपनी की कमाई- एफएसएन ई-कॉमर्स को दिसंबर तिमाही में बंपर मुनाफा हुआ है। ब्यूटी एंड पर्सनलकेयर कंपनी नायका का नेट प्रॉफिट दिसंबर तिमाही में 51 प्रतिशत बढ़कर 26.4 करोड़ रुपये हो गया, जो कि एक साल पहले की अवधि में 17.5 करोड़ रुपये था। नायका का राजस्व साल-दर-साल 27 प्रतिशत बढ़कर 2,267 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, एक साल पहले 1,789 करोड़ रुपये था।

ब्रोकरेज का अनुमान- कंपनी के मजबूत तिमाही नतीजे को देखकर मॉर्गन स्टेनली के विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 24-27 में कंपनी के लिए 29 प्रतिशत सीएजीआर का अनुमान लगाया है। ब्रोकरेज फर्म को कमजोर मांग के माहौल के बावजूद पिछली कुछ तिमाही में नायका की लगातार टॉपलाइन डिलीवरी भी पसंद है। मॉर्गन स्टेनली ने 200 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ नायका पर अपना ओवरवेट रुख बरकरार रखा है।

नुवामा का टारगेट प्राइस- इसके अलावा मिराए एसेट कैपिटल मार्केट्स ने 207 रुपये प्रति शेयर के लक्ष्य के साथ अपनी रेटिंग को ऐड से खरीदें कर दिया है। ब्रोकरेज का मानना है कि कंपनी की रणनीतियों में लगातार बदलाव से फैशन व्यवसाय में वृद्धि होगी और गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) बाजार में स्टोर खोलने के खर्च में संभावित वृद्धि होगी। इस बीच, नुवामा इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज ने 205 रुपये प्रति शेयर के टारगेट के साथ खरीदें रेटिंग रखी है। ब्रोकरेज ने ब्यूटी और पर्सनल केयर (बीपीसी) सेग्मेंट में मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है। नुमावा विश्लेषकों को फैशन और ईबी2बी सेगमेंट में कम नुकसान के कारण मुनाफे में सुधार की उम्मीद है।

इंतजार खत्म... 26 फरवरी तक बिक जाएगी अनिल अंबानी की रिलायंस कैपिटल

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कर्ज में डूबी कंपनी रिलायंस कैपिटल इस महीने के अंत तक बिक जाएगी। दरअसल, राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण करने के इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। ऐसे में आईआईएचएल के 26 फरवरी तक रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण करने का रास्ता साफ हो गया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई सूत्रों ने कहा कि एनसीएलटी के समक्ष मामले की सुनवाई के दौरान आईआईएचएल ने निश्चित दस्तावेज जमा करने और रिलायंस कैपिटल की समाधान योजना के कार्यान्वयन की दिशा में वित्तीय समापन मिलने की पुष्टि की।

अब 26 फरवरी को सुनवाई

एनसीएलटी ने इसके पहले दिन में सुनवाई के दौरान 26 फरवरी, 2025 तक समापन हासिल करने के लिए आईआईएचएल की याचिका को स्वीकार कर लिया था। अब मामले की अगली सुनवाई 26 फरवरी को निर्धारित की गई है। उस दिन अनुमोदित समाधान योजना के अंतिम समापन और रिलायंस कैपिटल एवं इसकी अनुषंगियों का नियंत्रण आईआईएचएल को सौंपने पर चर्चा होगी।

निगरानी समिति की आज बैठक

सूत्रों ने बताया कि रिलायंस कैपिटल के प्रशासक मंगलवार को निगरानी समिति की बैठक बुलाने वाले हैं, ताकि फंडिंग के लिए दस्तावेजों को निष्पादित किया जा सके और लक्षित समापन तिथि तक फंड की निकासी शुरू की जा सके।

मस्क ने ओपनएआई को खरीदने का दिया प्रस्ताव, तो सैम ऑल्टमैन ने एक्स की लगा दी बोली

नई दिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क के नेतृत्व वाले एक निवेशक समूह ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) स्टार्टअप ओपनएआई को 97 अरब डॉलर में खरीदने का प्रस्ताव दिया है। हालांकि ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने मस्क के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। साथ ही ऑल्टमैन ने ये भी कहा कि अगर आप चाहते हैं तो हम ट्विटर को 9.7 अरब डॉलर में जरूर खरीद सकते हैं। गौरतलब है कि एलन मस्क ने साल 2022 में ही ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदा था और बाद में ट्विटर का नाम बदलकर एक्स कर दिया था।

सैम ऑल्टमैन ने उल्टा एलन मस्क को ट्विटर खरीदने का दिया ऑफर- एलन मस्क के खुद के एआई स्टार्टअप एक्सएआई और निवेशक फर्मों के एक समूह ने मिलकर चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई को 97 अरब डॉलर में खरीदने की इच्छा जताई है। एलन मस्क के वकील मार्क टोबरॉफ ने बताया कि मस्क ओपनएआई को एक गैर लाभकारी रिसर्च लैब में बदलना चाहते हैं। इस प्रस्ताव पर सैम ऑल्टमैन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि नो थैंक्यू, लेकिन अगर आप चाहें तो हम आपके ट्विटर को 9.74 अरब डॉलर में खरीद सकते हैं।

गौरतलब है कि साल 2015 में एलन मस्क और सैम ऑल्टमैन ने मिलकर ही ओपनएआई स्टार्टअप की शुरुआत की थी। बाद में ओपनएआई का नेतृत्व करने को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया और आखिरकार साल 2018 में मस्क ने ओपनएआई के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया।

नवनीत एजुकेशन लिमिटेड ने पेश किया 'नवनीत एआय'

शिक्षकों के शिक्षण अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में पहल

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी नवनीत एजुकेशन लिमिटेड ने 'नवनीत एआय' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नवाचार शिक्षकों को ज्ञान और संसाधनों तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। नवनीत के व्यापक शैक्षणिक सामग्री संग्रह का लाभ उठाते हुए, 'नवनीत एआय' के उपकरण शिक्षकों को पाठ अधिक प्रभावी ढंग से पढ़ाने में मदद करेंगे। यह प्लेटफॉर्म इंटरएक्टिव और उपयोग में सरल है, जिससे शिक्षक क्विज़, होमवर्क, पीपीटी, फ्लैशकार्ड, सारांश और अन्य शैक्षणिक सामग्री आसानी से तैयार कर सकेंगे।

कई दशकों से भारतभर में शिक्षक और छात्र नवनीत की पढ़ाई से जुड़ी किताबों और संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं। नवनीत डाइजेस्ट, वर्कबुक, नवनीत 21 मोस्ट लाइकली क्वेश्चन सेट्स, प्री-प्राइमरी और बच्चों के लिए प्रकाशित किताबों ने सीखने को आसान बनाया है। अब 'नवनीत एआय' के जरिए 50,000 से ज्यादा संसाधनों को एक नए रूप में पेश किया जा रहा है, जिससे पढ़ाई का अनुभव और दिलचस्प और असरदार बनेगा। यह नया प्लेटफॉर्म शिक्षकों को ऐसे डिजिटल टूल्स उपलब्ध कराएगा, जो पढ़ाने के

तरीके को और सरल और प्रभावी बनाएंगे। नवनीत एजुकेशन का लक्ष्य पारंपरिक शैक्षणिक संसाधनों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर शिक्षण को और बेहतर बनाना है।

नवनीत एआय के जरिए हमारा लक्ष्य शिक्षकों के लिए पढ़ाई से जुड़ी सामग्री को अधिक सुलभ और उनकी जरूरतों के अनुसार लचीला बनाना है, नवनीत एजुकेशन लिमिटेड के ब्रांडिंग, मार्केटिंग और सेल्स डायरेक्टर देविश गाला ने कहा। डिजिटल तकनीक को विश्वसनीय शैक्षणिक सामग्री से जोड़कर, हम शिक्षकों को नई पीढ़ी को प्रेरित करने के उनके प्रयासों में सहयोग दे रहे हैं। नवनीत एआय हमारे इस संकल्प का प्रतीक है कि हम तकनीकी प्रगति के साथ आगे बढ़ते रहें और बदलते शैक्षणिक माहौल की आवश्यकताओं को पूरा करें। नवनीत एजुकेशन लिमिटेड के टॉपटेक के सीईओ हर्षिल गाला ने कहा कि नवनीत एआय के जरिए शिक्षा देने के तरीके में बड़ा बदलाव लाया जा रहा है। यह शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए सीखने की प्रक्रिया को अधिक इंटरएक्टिव और प्रभावी बना रहा है। नवनीत हमेशा से शिक्षा में नवाचार के अग्रणी रहा है। इस नए टूल के साथ, कंपनी एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा रही है, जहां तकनीक शिक्षकों को सशक्त बनाएगी और छात्रों के सीखने के अनुभव को पहले से कहीं अधिक प्रभावी बनाएगी।

नवनीत एआय भारत का पहला कस्टम एजुकेशन मॉडल है। आज जब जनरल एआय चैटबॉट्स को छात्रों के लिए स्टडी असिस्टेंट के रूप में पेश किया जा रहा है, तब नवनीत ने सोच-समझकर शिक्षकों के लिए एक विशेष प्लेटफॉर्म विकसित करने का फैसला किया है। यह मल्टी-एजेंट आर्किटेक्चर पर काम करता है, जहां हर विशेष एजेंट आउटपुट को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। इनमें करिकुलम अलाइनमेंट एजेंट, कंटेंट स्ट्रक्चरिंग एजेंट, विज़ुअल डिजाइन एजेंट, असेसमेंट क्रिएशन एजेंट, क्वालिटी वेरिफिकेशन एजेंट और अन्य शामिल हैं। ये सभी मिलकर शैक्षणिक सामग्री की सटीकता, स्पष्टता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करते हैं।

पीएनसी इन्फ्रा को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की समीक्षा के बाद इन्फ्रा बोलियों में बहाली के साथ मजबूत वृद्धि की उम्मीद

मुंबई, एजेंसी। पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड (पीएनसी इंफ्रा) ने घोषणा की है कि कंपनी और उसके एसपीवी अब 17 फरवरी, 2025 से नई परियोजनाओं के लिए बोली लगाने के पात्र हैं, जिससे उसे बुनियादी ढांचा क्षेत्र में नई परियोजनाओं को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने की अनुमति मिलेगी।

सड़क, बुनियादी ढांचे और अन्य परियोजनाओं के लिए बोली लगाने पर ध्यान केंद्रित करें

यह तब है जब सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने कंपनी और उसके दो विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) पर पहले से लगाए गए प्रतिबंधों को एक वर्ष से घटाकर चार महीने कर दिया है, जो 17 फरवरी 2025 को समाप्त हो रहा है। 6 फरवरी, 2025 को एमओआरटीएच द्वारा जारी संशोधित आदेश, 18 अक्टूबर 2024 से शुरू होने वाले मूल प्रतिबंध को संशोधित कर 4 महीने की अवधि के लिए कर देता है, जो कंपनी द्वारा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ कुछ प्रक्रियाओं को पूरा करने के अधीन है।

इससे कंपनी को अपनी ऑर्डर बुक का विस्तार करने और अपनी टॉपलाइन बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। पीएनसी इंफ्राटेक के पास 19,900 करोड़ रुपये (30 सितंबर, 2024 तक) से अधिक की मजबूत ऑर्डर बुक है, जिसमें कई प्रमुख ईपीसी परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इसमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ प्रयागराज-कौशाम्बी परियोजना, महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के साथ जालना-नांदेड़ और पुणे रिंग रोड परियोजनाएं और एनएचएआई के साथ अक्कलकोट पीकेजी-(बड़ाडल-मराडगी एस), सोनाली-गोरुखपुर और कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पीकेजी-2 शामिल हैं। सड़क राजमार्ग, सड़क एक्सप्रेसवे, रेलवे और नहर ईपीसी परियोजनाएं कुल ऑर्डर-बुक का 84 प्रतिशत हिस्सा हैं।

पीएनसी ने अब एनएचएआई से 8 परिसंपत्तियों के लिए नियंत्रण में बदलाव की मंजूरी प्राप्त कर ली है, जिसे वह केकेआर समर्थित हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट को हस्तांतरित करेगी। इसके साथ ही, पीएनसी-केकेआर सौदा 31 मार्च 2025 तक पूरा होने की राह पर है क्योंकि पीएनसी इंफ्राटेक लेन-देन के लिए शर्तों (सीपी) को पूरा करने की प्रक्रिया में है। सौदे के तहत प्रमुख सीपी में राजमार्ग प्राधिकरणों से नियंत्रण में बदलाव की मंजूरी और परियोजनाओं के लिए ऋणदाताओं से अनापत्ति प्रमाण पत्र शामिल थे।

मुझे नहीं लगता इसके लिए उन्हें जेल होनी चाहिए

विवाद के बीच समय रैना के बचाव में आई उर्फी

समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में अभद्र टिप्पणी को लेकर रणवीर इलाहाबादिया विवादों में हैं। समय रैना पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस बीच उर्फी जावेद कथित फ्रेंड समय रैना के बचाव में आई हैं।

मशहूर यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने हाल ही में समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में परिवार को लेकर अश्लील टिप्पणी की। उन्होंने जो कुछ भी कहा, उस पर विवाद हो रहा है। रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना सहित कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। रणवीर की अलोचना हो रही है तो समय रैना पर भी सवाल उठ रहे हैं। यूट्यूब पर आपत्तिजनक कंटेंट दिखाने के लिए समय को जेल भेजने की मांग की जा रही है। इस पर उर्फी जावेद कथित दोस्त के बचाव में आई हैं।

जेल नहीं भेजना चाहिए

समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट को यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया के साथ पिछले एपिसोड को लेकर कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। शो में कथित तौर पर अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल को लेकर दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना की जमकर आलोचना हो रही है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्फी जावेद कहा है, भले ही पैनल पर इस तरह की टिप्पणियां की गईं, जो आपत्तिजनक थीं, लेकिन इसके लिए उन्हें जेल नहीं भेजना चाहिए।

बोलीं- जो कहा वो गलत था, लेकिन...

उर्फी जावेद ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा है, आपको कुछ लोग पसंद नहीं हैं, आपको उनकी कही या की गई बातें पसंद नहीं हैं, लेकिन इसके लिए आप उन्हें जेल भेजने की मांग कर रहे हैं? क्या वाकई? मुझे नहीं पता। समय दोस्त है, मैं उनका साथ देती हूं, लेकिन पैनल के बाकी लोगों ने जो कहा वह आपत्तिजनक था। वह टिप्पणी आपत्तिजनक थीं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे इसके लिए जेल जाने के लायक हैं।

रणवीर इलाहाबादिया के समर्थन में उतरीं राखी सावंत, कहा- उसे माफ कर दो

अभिनेत्री राखी सावंत रणवीर इलाहाबादिया के समर्थन में सामने आई हैं और उन्होंने रणवीर को माफ करने की अपील की है। अभिनेत्री भी समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' का हिस्सा बन चुकी हैं।

अभिनेत्री राखी सावंत रणवीर इलाहाबादिया के समर्थन में सामने आई हैं। रणवीर ने समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में आपत्तिजनक और विवादित बयान दिया था, जिसके बाद से देश भर में उनका विरोध हो रहा है। राखी सावंत भी समय रैना के इस शो में पहले आ चुकी हैं। कड़े विरोध के बाद रणवीर इलाहाबादिया ने एक वीडियो जारी करते हुए अपने बयान के लिए माफी भी मांगी। अब राखी सावंत ने रणवीर को माफ करने की अपील की है। राखी सावंत भी समय रैना के इस शो में बतौर जज हिस्सा ले चुकी हैं। अब रणवीर के सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने के बाद उन्होंने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। राखी ने पोस्ट करते हुए कहा, उसे माफ कर दो यार। यह ठीक है, कभी-कभी ऐसा होता है। उसे माफ कर दो। मुझे पता है कि उसने गलत किया, लेकिन उसे माफ कर दो।

रणवीर इलाहाबादिया ने मांगी सार्वजनिक माफी

भारी विरोध और आलोचना का सामना करने के बाद रणवीर ने सोमवार को अपनी टिप्पणी की पूरी जिम्मेदारी ली और माफी मांगी। रणवीर ने कहा, मेरी टिप्पणी न केवल अनुचित थी, बल्कि यह मजेदार भी नहीं थी। कॉमेडी मेरी विशेषता नहीं है, मैं यहां सिर्फ माफी मांगने आया हूं। आप में से कई लोगों ने पूछा कि क्या मैं इस तरह से प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहता हूं और जाहिर है कि मैं इसका उपयोग इस तरह से नहीं करने जा रहा हूं। मैं जो कुछ भी हुआ उसके पीछे कोई सफाई या तर्क नहीं देने जा रहा हूं। बस माफी मांग रहा हूं। व्यक्तिगत रूप से मेरी निर्णय लेने की क्षमता में कमी थी। यह मेरी ओर से ठीक नहीं था। उन्होंने आगे कहा, पॉडकास्ट को हर उम्र के लोग देखते हैं। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं बनना चाहता जो इस जिम्मेदारी को हल्के में ले। अंत में मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि मुझे खेद है। मुझे उम्मीद है कि आप मुझे एक इंसान के तौर पर माफ कर देंगे।

टॉक्सिक की शूटिंग दो भाषाओं में कर रहीं कियारा आडवाणी, बेंगलुरु में चल रहा फिल्म पर काम

कियारा आडवाणी अपनी पहली द्विभाषी फिल्म टॉक्सिक की शूटिंग अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों भाषाओं में कर रही हैं। इन दिनों फिल्म की शूटिंग बेंगलुरु में हो रही है। अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी पहली कन्नड़ फिल्म टॉक्सिक की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक गीता मोहनदास के हाथों में है। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन एक्शन गैंगस्टर ड्रामा है, जिसे अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

बीते काफी समय से कियारा का करियर कुछ खास नहीं चल रहा है। ऐसे में टॉक्सिक से उन्हें काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। इस फिल्म को लेकर वह काफी ज्यादा मेहनत भी कर रही हैं। कियारा आडवाणी इस फिल्म में दोनों भाषाओं (अंग्रेजी और कन्नड़) में अपने संवादों को प्रस्तुत करेंगी, जो उनके करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है। फिल्म में यश मुख्य भूमिका में हैं। केजीएफ चैप्टर 2 के बाद यश इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। यही वजह है कि इस नई जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए फैंस काफी ज्यादा उत्सुक नजर आ रहे हैं।

साहस, एकता और शिक्षा की मजबूत कहानी है 'रूल ब्रेकर्स' : अली फजल

अभिनेता अली फजल की अपकमिंग फिल्म 'रूल ब्रेकर्स' 7 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से पहले अमेरिका में रिलीज के लिए तैयार है। अभिनेता ने बताया कि फिल्म में साहस, एकता और शिक्षा की एक मजबूत कहानी है। अभिनेता ने अपने किरदार के पहले लुक की झलक शेयर की। फिल्म में अली लॉस एंजिल्स के एक तकनीकी विशेषज्ञ की भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म में उनके किरदार का नाम समीर सिन्हा है। अपनी उत्सुकता को शेयर करते हुए अली ने कहा, यह फिल्म एक रत्न है और मैं इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहा हूं। 'रूल ब्रेकर्स' सिर्फ एक कहानी नहीं है। यह साहस, एकता और शिक्षा के साथ बनी एक मजबूत कहानी है। उन्होंने कहा, अमेरिका में महिला दिवस की पूर्व संध्या पर रिलीज करना इसे और भी खास बनाता है क्योंकि यह महिलाओं की ताकत के साथ जुड़ा है। मैं फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साहित हूं। मनोरंजक-ड्रामा 'रूल ब्रेकर्स' महिला-केंद्रित फिल्म है और एक ऐसी महिला की कहानी बताती है, जो ऐसे समाज में युवा लड़कियों को शिक्षित करने का साहस करती है, जहां इसे एक विद्रोह के रूप में देखा जाता है। 'रूल ब्रेकर्स' का निर्देशन ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता बिल गुटेंटैग ने किया है।

इस बीच बता दें, 2025 काम के लिहाज से अली के लिए बेहद खास साल है। बॉलीवुड, ओटीटी, हॉलीवुड के साथ उनके पास साउथ के कई प्रोजेक्ट्स हैं। अभिनेता ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर बताया था कि 2025 में उन्हें सालों की मेहनत का नतीजा मिलेगा।

आईफा अवार्डस:2025

कार्तिक-करण करेंगे शो को होस्ट

पहली बार जयपुर में होने जा रहे आईफा अवार्डस कई मायनों में खास है। इसमें 100 से ज्यादा बॉलीवुड के सितारे जयपुर आएंगे। 25 साल पूरे कर रहे इस शो की थीम 'सिल्वर इज द न्यू गोल्ड' है। शो के दोनों दिन राजस्थानी कलाकार लोकगीत और लोकनृत्य की प्रस्तुति देंगे। इस बार राजधानी जयपुर में होने वाले आइफा अवार्डस शो पर सिंगर श्रेया घोषाल फिल्म इंड्रस्टी में 25 साल पूरे करने वाले सितारों को तो करीना कपूर शोमैन राजकपूर की 100वीं जयंती पर विशेष ट्रिब्यूट देंगी। शो के पहले दिन यानी 8 मार्च को एक्टर अपारशक्ति खुराना होस्ट करेंगे। दूसरे दिन यानी 9 मार्च को मुख्य अवार्डस कार्तिक आर्यन और करण जौहर होस्ट करेंगे।

इतना ही नहीं शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित, शाहिद, कृति सेनन और नोरा फतेही भी अपनी प्रस्तुति देंगी। शो को लेकर डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कहा कि इससे राजस्थान की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही पर्यटन को प्रोत्साहन भी मिलेगा। सेलिब्रिटीज का जयपुर आना छह मार्च से शुरू हो जाएगा।

सजाए जाएंगे आमेर, हवामहल और जलमहलल्ल बता दें कि आईफा में प्रदेश को फिल्म डिस्टेनिशेन के रूप में प्रमोट करने के लिए फिल्म टूरिज्म पॉलिसी लांच होगी। सरकार प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मेहमानों को विरासत की खूबसूरती दिखाना चाहती है। सरकार इस दौरान जयपुर के आमेर, हवामहल, जलमहल जैसी जगहों को पर दीवाली जैसी रोशनी करेगी।

शाहरुख खान ने दी थी कार्तिक को टिप्सल्ल बता दें कि जनवरी में दोनों IIFA 2025 के प्री-इवेंट में शामिल हुए थे। इस दौरान शाहरुख खान ने कार्तिक को सिखाया था कि राजस्थानी अंदाज में अपनी मेजबानी से दर्शकों को कैसे इंप्रेस किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्तिक 25वें साल की मेजबानी करने जा रहे हैं। बस इसलिए कि मैं उन्हें यह जिम्मेदारी सौंप सकूं, उनको मैं सिखाता हूं कि जयपुर में शुरुआत कैसे करनी है।

उन लोगों को आकर्षित करें जो आपकी भाषा समझते हों, मनीषा कोइराला ने शेयर किया पोस्ट

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने सोशल मीडिया पर एक विचार भरा पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि हमें उन लोगों को आकर्षित करना चाहिए, जो आपकी भाषा समझते हैं। स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, आप ऐसे लोगों को आकर्षित करें जो आपकी भाषा बोलते हों, ताकि आपको अपनी भावनाओं को समझाने के लिए जीवन भर अनुवाद करने की जरूरत ना पड़े। सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी के कई हिस्से दिखाने वाली अभिनेत्री मनीषा कोइराला अक्सर दोस्तों और परिवार के साथ आनंद भरे पल बिताती नजर आती हैं। दोस्तों के साथ उनका खास रिश्ता है। अभिनेत्री अक्सर खूबसूरत वादियों के बीच दोस्तों संग छुट्टियां मनाती नजर आती हैं। कोइराला हाल ही में दोस्तों के साथ खूबसूरत वादियों में छुट्टियां मनाने निकली थीं, प्राकृतिक सुंदरता की झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रशंसकों के साथ शेयर की थी। इंस्टाग्राम पर एक लेटेस्ट वीडियो मोंटाज शेयर करते हुए मनीषा कोइराला ने कैप्शन में लिखा था, हमारा शनिवार। उसके बाद उन्होंने हैश में लिखा, मैं प्रकृति प्रेमी हूं।

शेयर किए गए वीडियो में मनीषा दोस्तों के साथ खूब मस्ती करती और प्रकृति के सुंदर नजारों को निहारती नजर आई थीं। वीडियो के साथ अभिनेत्री ने कनाडाई गायिका सेलीन डियोन के गाने आई एम अलाइव को भी जोड़ा था। अभिनेत्री ने वीडियो मोंटाज के अलावा इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर भी दोस्तों के साथ कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे, जिसमें वह पार्टी करती नजर आईं।

नई पीढ़ी इंस्टाग्राम पर ज्यादा फोकस करती है

अमीषा पटेल ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में आए बदलाव को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि नई पीढ़ी के कलाकार अपनी एक्टिंग पर ध्यान देने के बजाय, सोशल मीडिया पर ज्यादा ध्यान देते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में आए अमीषा पटेल ने बातचीत के दौरान अपनी पीढ़ी के एक्टर्स और नई पीढ़ी के एक्टर्स के बीच के डिफरेंस को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा- मुझे वाकई लगता है कि हमारा समय कहीं ज्यादा अच्छा था। और तब से लेकर अब तक, हम जैसे कलाकार - चाहे शाहरुख हों, सलमान हों, मैं, प्रीति, रानी, ??करीना। हम सभी का ध्यान इस बात पर रहा कि हम कैमरे के सामने क्या करते हैं। अमीषा पटेल ने आगे कहा- जबकि आज की पीढ़ी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ज्यादा फोकस करती है। जो कि मुझे लगता है कि ये एक चिंता का विषय है। ये सबसे बड़ी कमी है कि वे बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्म के टिकट खरीदने के लिए ऑडियंस को अट्रैक्ट नहीं कर पाते है। उनका पूरा फोकस रील बनाने पर होता है। जिसमें वे दिखाते हैं कि उनके मेकअप वैन में उनके मेकअप आर्टिस्ट, उनके स्टाइलिस्ट, उनके को-एक्टर्स के साथ क्या-क्या होता है। वे बड़े पर्दे पर दिखने की तुलना में पार्टियों में ज्यादा खुश दिखाई देते हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि प्रायोरिटी में यह बदलाव नए कलाकारों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में साफ दिखाई देता है।

मैं भगवान का शुक्रगुजार हूं

बच्चों में अपनी आदतों के न होने पर बोले शाहरुख खान

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने कहा कि उनके बच्चों में उनकी आदत नहीं आई, इसके लिए वे भगवान का शुक्रिया करते हैं।

शाहरुख खान बॉलीवुड के अलावा अपने फैंस के लिए एक मार्गदर्शक की तरह भी हैं। हर कोई उनकी आदतों को अपनाना चाहता है, उनकी तरह बनना चाहता है। वहीं, शाहरुख खान इस बात से खुश हैं कि उनके बच्चों में उनकी आदतें नहीं गईं। इसके लिए वे भगवान का शुक्रिया भी अदा करते हैं। साल 2024 में एक इवेंट के दौरान शाहरुख खान ने कहा कि उनके किसी भी बच्चे में उनकी आदतें नहीं हैं, इस वजह से वे बहुत खुश हैं। पठान अभिनेता ने आगे कहा, मैं इसके लिए भगवान का शुक्रिया अदा करता हूं। वे अच्छे बच्चे हैं। वे मुझसे कहीं बेहतर इंसान हैं। शाहरुख खान ने कहा कि उनके अबराम और सुहाना के गालों पर डिंपल पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि उनके बच्चे वही करें जिससे उन्हें खुशी मिले। वे जो चाहें बन सकते हैं।

साभार एजेंसी

पर्सनल स्टाइल पर खूब प्रयोग करती हैं जैकलीन, बताया पर्दे पर निभाना चाहती हैं किस फैशन आइकन की भूमिका

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने बात की। उन्होंने न केवल फैशन और काम को लेकर बात की, बल्कि बताया कि वह पर्दे पर फ्रांसीसी फैशन डिजाइनर कोको चैनल की भूमिका निभाना चाहती हैं। चंडीगढ़ में ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर में डिजाइनर कनिका गोयल के लिए रैंप पर उतरीं जैकलीन ने कहा, मुझे लगता है कि फैशन का मतलब रचनात्मक होने के साथ यूनिक होना है। आप फैशन के साथ हर दिन खुद के होने का जश्न मनाते हैं। फैशन खूबसूरत और पॉजिटिव चीज है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें स्क्रीन पर एक फैशन आइकन की भूमिका निभानी है। अभिनेत्री ने कहा, हां मैं 'कोको चैनल' की भूमिका निभाना चाहूंगी। अभिनेत्री ने आगे बताया, जब ड्रेसिंग या कैजुअल होने के बीच चयन की बात आती है तो सब कुछ मूड पर निर्भर करता है। मुझे अक्सर मूड स्विंग्स होते हैं। मैं ज्यादातर समय कैजुअल में रहती हूं। मेरे कई स्टाइलिस्ट्स मुझसे कहते हैं, जैकी, आपका वॉर्डरोब बहुत साधारण है! क्योंकि मुझे हमेशा स्टाइल किया जाता है, इसलिए मैं अपने कपड़ों को लेकर ज्यादा परेशान नहीं होती हूं, वे सामान्य से ही अच्छे लगते हैं। अभिनेत्री ने आगे बताया, मुझे एक बहुत अच्छी, हॉट ड्रेस पहननी हो और मौज-मस्ती करनी हो या फिर जब बात रेड कार्पेट या खासकर स्टेज पर जाने की बात आती है तो मुझे स्टेज के लिए तैयार होना बहुत पसंद है। हालांकि, मैं 90 प्रतिशत समय में कैजुअल रहती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि वह अपने फैशन के साथ बहुत प्रयोग करती हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं पहले अपने पर्सनल स्टाइल, अपने पर्सनल फैशन के साथ बहुत प्रयोग करती थी और अब मैं इन चीजों को लेकर सहज महसूस करती हूं और इसी कड़ी में मैं खुद को समझने लगी हूं।

नेशनल गेम्सः

किसान के बेटे का बड़ा कमाल, 19 साल की उम्र में तोड़ा नेशनल रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल गेम्स में कई युवा चेहरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है। कई खिलाड़ियों के लिए यह गेम्स करियर के लिहाज से ऐतिहासिक साबित हुए हैं। 19 साल के देव मीणा भी इसी फेहरिस्त में शामिल हैं जिन्होंने देहरादून में जारी नेशनल गेम्स में पोल वॉल्ट का नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। किसान परिवार से आने वाले देव को देश के प्रतिशाली युवाओं में शुमार किया जाता है।

मध्य प्रदेश के देव कुमार मीणा ने सोमवार को पुरुष पोल वॉल्ट में 5.32 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ राष्ट्रीय खेलों में गोल्ड मेडल जीता। उन्नीस साल के देव ने 2023 के अपने खिताब का बचाव करते हुए स्वर्ण पदक जीता और एस शिवा के 5.31 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड में भी सुधार किया जो उन्होंने गुजरात में 2022 राष्ट्रीय खेलों के दौरान बनाया था। इससे पहले देव का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5.20 मीटर था जो उन्होंने पिछले साल पटना में इंडिया ओपन अंडर-23 प्रतियोगिता जीतने के दौरान बनाया था।

देव को प्रतियोगिता से पहले ही यह महसूस हो रहा था कि 10 फरवरी की तारीख उनके करियर में बहुत अहम रहने वाली है। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि वह नेशनल गेम्स में इसी सोच के साथ आए थे कि उन्हें नेशनल रिकॉर्ड तोड़ना है और यही हुआ। एमपी स्पोर्ट्स अकेडमी के देव ने बताया कि वह शुरुआत में 400 मीटर इवेंट में हिस्सा लेते थे। उसी समय उनके मौजूदा कोच घनश्याम ने उन्हें देखा और पोल वॉल्ट के लिए मनाया। उन्होंने कहा, 'कोच साहब ने मुझे आश्वस्त किया कि मैं भविष्य में कुछ महान करूंगा और मुझे पोल वॉल्ट में जाना चाहिए क्योंकि मेरे हाथ बड़े हैं और मेरी पकड़ अच्छी है।' उन्होंने कहा, 'कोच साहब ने मुझसे कहा कि पोल वॉल्ट में बेहतर भविष्य होगा क्योंकि मेरे हाथ बड़े हैं और मेरी ग्रिप अच्छी है।' ट्रेनिंग शुरू होने के छह महीने तक कोच ने देव को किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेने दिया। वह चाहते थे कि देव पहले जंप करना सीखा और परिणाम के बारे में चाहते हैं। यह फैसला उनके लिए सही साबित हुआ।

गिलक्रिस्ट ने पोंटिंग से असहमति जताई, वॉर्न को अब तक का सबसे महान क्रिकेटर घोषित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट ने महानतम ऑलराउंडर की बहस में अपना पक्ष रखा है, उन्होंने रिकी पोंटिंग के इस दावे को चुनौती दी है कि जैक्स कैलिस अब तक के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर हैं। जबकि पोंटिंग ने हाल ही में कैलिस की बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की, गिलक्रिस्ट का मानना है कि केवल आंकड़े ही महानता को परिभाषित नहीं करते हैं और इसके बजाय उन्होंने दिवंगत शेन वॉर्न को क्रिकेट के सर्वकालिक शीर्ष खिलाड़ियों में शीर्ष पर रखा। एक साक्षात्कार में गिलक्रिस्ट ने कहा, मैं समझता हूं कि रिकी किस बात पर जोर दे रहे हैं - आंकड़ों के हिसाब से, रन, विकेट और कैच - लेकिन इसमें सिर्फ आंकड़ों से कहीं अधिक है।मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि शेन वॉर्न अब तक खेले गए सबसे महान खिलाड़ी हैं।

एक ही दिन मैदान पर उतरेंगी भारत-पाक समेत चैंपियंस ट्रॉफी की 5 टीमें

इन 2 में से 1 पहुंचेगी फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत-पाकिस्तान सहित कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं. इनमें से पांच टीमें 12 फरवरी को एक ही दिन मैदान पर उतरने वाली हैं. ये सभी टीमें वनडे मैच खेलेंगी.

इनमें से दो टीमों के बीच ट्राई सीरीज के फाइनल में पहुंचने के लिए जंग होगी. वहीं दो टीमों के बीच मुकाबे में एक टीम अपनी साख बचाना चाहेगी जबकि दूसरी टीम उसका सूपड़ा साफ करना चाहेगी. तो चलिए देखते हैं ये पांच टीमें कौनसी है और 12 फरवरी को इनके मैच कहां और कितने बजे से खेले जाएंगे. भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मैच

12 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा. टीम इंडिया शुरुआती दोनों मैच जीतने के बाद इंग्लैंड का क्लीन स्वीप करना चाहेगी. जबकि इंग्लैंड टीम आखिरी मैच जीतकर अपनी साख बचाना चाहेगी. अहमदाबाद में तीसरा वनडे दोपहर डेढ़ बजे से खेला जाएगा.

पहले वनडे में आमने-सामने होंगे ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका

श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया दो टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद दो वनडे मैचों की सीरीज खेलने वाली हैं.

टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से जीत ली है. अब पहले वनडे की शुरुआत 12 फरवरी को सुबह 10 बजे से कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगी. ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस ट्रॉफी का हिस्सा है, जबकि श्रीलंका इस ICC टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थी.

ट्राई सीरीज के फाइनल के लिए होगी पाकिस्तान-साउथ अफ्रीका में जंग

12 फरवरी को ही पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका की टीमें भी वनडे मैच खेलेंगी. अभी न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच चार मैचों की एक ट्राई सीरीज पाकिस्तान में खेली जा रही है. सीरीज का पहला मैच पाक-न्यूजीलैंड के बीच 8 फरवरी को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हुआ था जिसमें कीवी टीम को जीत मिली. इसी स्टेडियम में दूसरे मैच में न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को हराया और ट्राई सीरीज के फाइनल का टिकट कटा लिया. अब पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच बुधवार को कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में ढाई बजे से मैच खेला जाएगा. जो टीम इसमें जीत हासिल करेगी वो न्यूजीलैंड से 14 फरवरी को फाइनल में भिड़ेगी. फाइनल नेशनल बैंक स्टेडियम में ही होने वाला है.

स्नूकर चैम्पियनशिपः

पंकज आडवाणी ने जीती राष्ट्रीय स्नूकर चैंपियनशिप, करियर का 36वां राष्ट्रीय खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अनुभवी और स्टार स्नूकर खिलाड़ी पंकड आडवाणी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए राष्ट्रीय स्नूकर चैंपियनशिप जीत ली है। पंकज के करियर का यह कुल 36वां राष्ट्रीय और 10वां पुरुष स्नूकर खिताब है। ओएनजीसी की तरफ से खेल रहे आडवाणी ने खराब शुरुआत से उबरते हुए फाइनल में ब्रिजेश दमानी को हराया।

दमानी ने पहला फ्रेम जीत कर अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद आडवाणी के सामने उनकी एक नहीं चली। इस प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर ही एशियाई और विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। आडवाणी ने अपने प्रदर्शन में निरंतरता और सटीकता बनाए रखी। एक फ्रेम से पिछड़ने के बावजूद उन्होंने अपना धैर्य बनाए रखा और फिर कोई गलती नहीं की। आडवाणी ने अंतिम फ्रेम में 84 का प्रभावशाली ब्रेक दिया तथा यह फ्रेम, मैच और चैंपियनशिप अपने नाम कर दी।

एशियाई स्नूकर चैंपियनशिप में खेलेंगे पंकज-दमानी

दमानी ने ग्रुप चरण में आडवाणी को हराया था लेकिन फाइनल में वह इस अनुभवी खिलाड़ी के खिलाफ अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए। दमानी के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में आडवाणी केवल एक फ्रेम जीतने में सफल रहे थे। एशियाई स्नूकर चैंपियनशिप 15 फरवरी से शुरू होगी जिसमें आडवाणी और दमानी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आडवाणी ने चैंपियनशिप जीतने के बाद कहा, यह एकमात्र प्रतियोगिता थी जिसके प्रदर्शन के आधार पर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए भारतीय प्रतिनिधियों का चयन किया जाएगा। इसलिए इस प्रतियोगिता में काफी कुछ दाव पर लगा था। यहां स्वर्ण पदक जीत कर बहुत अच्छा लग रहा है। प्रतियोगिता में एक समय मैं बाहर होने के कगार पर था। तब मुझे पता चला कि इस महत्वपूर्ण क्षण का मतलब कुछ बड़ा होना चाहिए। बिलियर्ड्स और स्नूकर दोनों में फिर से भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका पाकर खुश हूं।

उर्विल पटेल ने रणजी ट्रॉफी में भी शतक जड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात के उर्विल पटेल के लिए यह रिकॉर्ड सीजन रहा है। हीरे के पर्याय माने जाने वाले पालनपुर शहर में क्रिकेट की शुरुआत करने वाले 26 वर्षीय उर्विल पटेल ने दिखाना शुरू कर दिया है कि वह शहर से निकलने वाले सबसे तराशे हुए रत्न क्यों हैं। इस सीजन की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने 28 गेंदों पर किसी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज टी20 शतक जड़ा, जो दुनिया में दूसरा सबसे तेज शतक है।

पिछले सीजन की विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने 41 गेंदों पर शतक जड़ा था, जो किसी भारतीय द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे तेज शतक था। उर्विल ने रिकॉर्ड बुक में फिर से नाम दर्ज करने करते हुए रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ अपने पहले प्रथम श्रेणी शतक (197 गेंदों पर 140 रन) के साथ श्रेयस अय्यर के बाद एक ही घरेलू सीजन में तीनों प्रारूपों में शतक बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए।

बुमराह भारत के रोनाल्डो हैं, जब तक जरूरत न हो, उन्हें नहीं बदल सकतेः इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टीव हार्मिसन ने भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और फुटबॉल सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बीच एक शानदार समानता दर्शाते हुए तेज गेंदबाज की अपूरणीय प्रकृति पर जोर दिया है। हार्मिसन का मानना ??है कि अगर बुमराह चोट के कारण आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो जाते हैं, तो यह रोनाल्डो के बिना फीफा विश्व कप जैसा होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज में अहम भूमिका निभाने वाले बुमराह अपनी पीठ की सूजन से जूझ रहे हैं और उनके चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण से बाहर होने की संभावना है। हालांकि हार्मिसन ने जोर देकर कहा कि भारत को नॉकआउट दौर के लिए उनकी वापसी की उम्मीद में उन्हें आखिरी क्षण तक टीम में रखना चाहिए। हार्मिसन ने अपने प्रमुख तेज गेंदबाज के साथ भारत के धैर्य के लिए एक आकर्षक तर्क दिया। उन्होंने कहा, वह जसप्रीत बुमराह है। मेरे हिसाब से आप कभी भी जसप्रीत बुमराह की जगह नहीं ले सकते। और मेरा मतलब है, मैं उसे इतना आगे ले जाने के लिए फाइनल की सुबह तक भी जा सकता हूं क्योंकि वह जसप्रीत बुमराह है। वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। भारतीय दृष्टिकोण से मेरा यही मानना है।

चैम्पियनशिप ट्रापीः गौतम गंभीर के कारण असुरक्षित महसूस कर रहे हैं टीम इंडिया के खिलाड़ी?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। हालांकि टूर्नामेंट में टीम की प्लेइंग इलेवन का संयोजन क्या होगा यह अभी तय नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी के संयोजन तय करने के लिए ही इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भी कई प्रयोग किए जा रहे हैं। हालांकि पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान के मुताबिक इससे खिलाड़ियों के अंदर असुरक्षित होने का भाव आ रहा है।

जहीर खान ने दिया बड़ा बयान

जहीर खान ने अपने पूर्व साथी गौतम गंभीर के तरीके पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि खिलाड़ियों के साथ बात करना अहम है। अगर ऐसा नहीं होगा तो टीम को नुकसान होना तय है।

फ्लेक्सिबिलिटी से खिलाड़ी होते हैं असुरक्षित

उन्होंने कहा, आपने कहा है कि आपके पास फ्लेक्सिबिलिटी होना चाहिए। नंबर एक और दो होंगे लेकिन अन्य फ्लेक्सिबिल होंगे। उस फ्लेक्सिबिलिटी के भीतर, कुछ नियम भी लागू होते हैं। कुछ प्रोटोकॉल हैं जिनका आपको पालन करना होगा। कुछ बातचीत की आवश्यकता है, जो चीजों को सुव्यवस्थित करेगा। नहीं तो आप असुरक्षा पैदा कर रहे हैं, जो किसी स्तर पर वापस आएगी और आपको नुकसान पहुंचाएगी। आप नहीं चाहते कि ऐसा हो। इसलिए आपको उस स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना होगा।

हर किसी का तरीका अलग

अपनी बात जारी रखते हुए उन्होंने कहा, 'इसलिए मैंने कहा कि इस समय रीसेंसी पूर्वाग्रह बहुत मजबूत है। अगर आपको राहुल द्रविड़ के दृष्टिकोण और गौतम गंभीर के दृष्टिकोण की तुलना करनी है तो स्थिति गतिशील हो गई है। आप कह सकते हैं कि यह अच्छा, बुरा या बदसूरत है, या आप यह कह सकते हैं कि हम कैसे अनुकूलन करते हैं।

अजिंक्य रहाणे ने हरियाणा के खिलाफ जमाया शतक, शिवम दुबे अर्धशतक से चूके

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने आखिरकार नर्वस नाइंटीज का जिंक्स तोड़ा और शतक जमाया। हरियाणा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उन्होंने शतकीय पारी खेली। रहाणे ने 160 गेंदों में 100 रन पूरे किए। रहाणे के अलावा शिवम दुबे ने भी अच्छी पारी खेली लेकिन वह अपने अर्धशतक के करीब आकर चूक गए। अजिंक्य रहाणे जब बल्लेबाजी करने उतरे तब टीम का स्कोर 48 रन पर दो विकेट था। उन्होंने सूर्यकुमार यादव के साथ रहाणे ने चौथे विकेट के लिए 129 रन की साझेदारी की। सूर्यकुमार वे 86 गेंदों पर 70 रन बनाए। इसके बाद रहाणे और ऑलराउंडर शिवम दुबे के साथ भी साझेदारी की।

रहाणे ने अपनी पारी में 10 चौके लगाए। उनके शतक के बाद ही टीम की लीड 300 के पार पहुंची। यह रहाणे का इस सीजन में पहला शतक था। रहाणे इससे पहले मेघालय के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में 96 रन पर आउट हो गए थे। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बरोड़ा के खिलाफ उन्होंने 98 रन बनाए थे,आंद्र प्रदेश के खिलाफ भी वह 95 रन बनाकर आउट हुए। रहाणे 108 रन बनाकर आउट हुए। अनुज ठकराल की गेंद पर वह रोहित प्रमोद को कैच दे बैठे। तब तक उन्होंने 180 रन बनाए थे। वहीं शिवम दुबे ने 65 गेंदों में 48 रन बनाए।

मनु भाकर की जोरदार वापसी

पेरिस ओलंपिक्स के बाद पहली बार एक्शन में दिखी स्टार निशानेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की स्टार शूटर मनु भाकर पेरिस ओलंपिक्स 2024 में दो ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद ब्रेक पर चली गई थीं. कुछ महीनों का ब्रेक लेने के बाद उन्होंने साल 2024 के अंतिम महीनों में दोबारा अभ्यास शुरू किया था. अब आखिरकार 6 महीनों बाद उन्होंने वापसी की है. मनु आगामी इंटरनेशनल इवेंट्स से पहले नेशनल सिलेक्शन ट्रायल में नजर आईं. उन्होंने सोमवार को 25 मीटर पिस्टल इवेंट में भाग लिया और क्वालीफिकेशन राउंड में 587 का स्कोर करते हुए टॉप किया. मनु भाकर चाहे क्वालीफिकेशन राउंड में बहुत शानदार लय में दिखीं. 587 पॉइंट्स बटोरने के बावजूद उन्हें फाइनल राउंड के बाद तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा. महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा की टी1 कैटेगरी में पंजाब की सिमरनप्रीत कौर ब्रार ने 36 के फाइनल स्कोर के साथ जीत दर्ज की. तेलंगाना की ईशा सिंह ने दूसरा और ओलंपिक 2024 की डबल मेडलिस्ट 31 के स्कोर के साथ तीसरे नंबर पर रहीं. यह ट्रायल आगामी वर्ल्ड कप के नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण है.

महज 22 साल की उम्र में मनु भाकर ने भारत की सबसे सफल निशानेबाजों में अपना नाम दर्ज करवा लिया है. वो पिछले साल ओलंपिक की शूटिंग स्पर्धा में मेडल जीतने वाली इतिहास की पहली महिला शूटर बनी थीं. उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल एकल कम्पटीशन में ब्रॉन्ज मेडल जीता. इसके अलावा उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता था. वो आजाद भारत की ऐसी पहली एथलीट बनीं, जिन्होंने एक ही ओलंपिक्स में 2 अलग-अलग मेडल जीते हों. उन्हें हाल ही में अपनी उपलब्धियों के लिए मेजर ध्यान चंद खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया .

इसी साल आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार खत्म कर सकता है दक्षिण अफ्रीकाः स्मिथ

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। पिछले साल सभी प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका के शानदार प्रदर्शन से प्रभावित पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को यकीन है कि अपनी मेजबानी में 2027 पुरूष वनडे विश्व कप खेलने से पहले ही वे आईसीसी ट्रॉफी के लिए लंबा चला आ रहा इंतजार खत्म कर देंगे। एसए 20 लीग कमिश्नर स्मिथ ने कहा, 'उम्मीद है कि हम चैम्पियंस ट्रॉफी या विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जीतकर इस इंतजार को खत्म कर देंगे। लेकिन अगर दक्षिण अफ्रीका अपनी सरजमीं पर विश्व कप जीतता है तो यह शानदार होगा। महज 22 वर्ष की उम्र में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान बनने के बाद बतौर कप्तान 54 टेस्ट जीत दिलाने वाले इस दिग्गज ने कहा, 'अगले तीन साल में हम स्टेडियमों, पिचों और अपने क्रिकेट इकोसिस्टम को बेहतर करने के प्रयास जारी रखेंगे ताकि 2027 वनडे विश्व कप तक हम प्रबल दावेदार रहें। दक्षिण अफ्रीका ने सेंचुरियन में बॉक्सिंग डे टेस्ट में पाकिस्तान को हराकर डब्ल्यूटीसी फाइनल में प्रवेश किया जहां 11 से 15 जून तक लाडर्स पर उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका पुरूष और महिला टी20 विश्व कप और इस साल की शुरूआत में अंडर 19 महिला विश्व कप में उपविजेता रहा।

स्मिथ ने इन आलोचनाओं को भी खारिज किया कि डब्ल्यूटीसी फाइनल का दक्षिण अफ्रीका का सफर आसान रहा है। उन्होंने कहा, 'आजकल क्रिकेट में कोई सफर आसान नहीं होता। शुरू ही से सभी टीमों को पता था कि किसे किससे खेलना है। दक्षिण अफ्रीका ने लगातार सात टेस्ट जीतकर क्वालीफाई किया है। सभी को टेस्ट इकोसिस्टम देखना चाहिए कि वह कैसे काम करता है।

'क्लब बनाम देश की बहस पर स्मिथ का मानना है कि टी20 क्रिकेट का बढ़ना तय है लेकिन सभी सदस्य देशों को मिलकर ऐसा मॉडल बनाना होगा कि बाकी प्रारूप भी सुरक्षित रहें। दक्षिण अफ्रीका के लिए 117 टेस्ट में 9265 रन बना चुके स्मिथ ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि टेस्ट क्रिकेट मजबूत रहे और अगर छह सात देशों में भी रह गया तो काफी प्रतिस्पर्धी होगा और मजबूत भी बना रहेगा।

दुनिया भर में शुरू हो रही फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग के बीच टेस्ट क्रिकेट के अस्तित्व को बचाये रखने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट ने अमेरिका और दूसरे क्षेत्रों में नये दर्शक दिए हैं और अब हम इसे ओलंपिक में भी देखेंगे। इसने काफी दर्शक बनाए हैं। मुझे लगता है कि फ्रेंचाइजी आधारित क्रिकेट में आखिर में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तीन चार लीग बचेंगी और शायद एक टू टियर सिस्टम। भविष्य में सभी सदस्य देशों को साथ मिलकर एक दूसरे को मजबूत रखना होगा।

फ्रांस में प्रधानमंत्री मोदी का मैक्रों ने किया स्वागत

» पेरिस, भाषा।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पेरिस के एलिसी पैलेस में आयोजित स्वागत रात्रिभोज में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गले लगाकर स्वागत किया। मोदी ने सोमवार को एक्स पर लिखा, पेरिस में अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों से मिलकर प्रसन्नता रात्रिभोज में प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस से भी मुलाकात की। वेंस भी एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फ्रांस में हैं। यह मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले ट्रंप प्रशासन के शीर्ष नेतृत्व के साथ पहली बातचीत थी। इस दौरान मोदी ने वेंस को उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति से हाथ मिलाते हुए उन्होंने कहा, बधाई हो। शानदार, शानदार जीत। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस से बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को फ्रांस पहुंचे जहां वह फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करेंगे और उनके साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

प्रधानमंत्री के होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक पोस्ट में कहा, पेरिस में एक यादगार स्वागतउ ठंड के मौसम के बावजूद भारतीय समुदाय ने आज शाम अपना स्नेह दिखाया। हम अपने प्रवासी समुदाय के प्रति आभारी हैं और उनकी उपलब्धियों पर गर्व करते हैं। मोदी और मैक्रों मार्सिले में भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन भी करेंगे। यह मोदी की फ्रांस की छठी यात्रा है। मोदी दो देशों के अपने दौरे के दूसरे चरण में फ्रांस से अमेरिका जाएंगे।

की सह-अध्यक्षता करने के लिए उत्सुक हूं, जो विश्व के नेताओं और वैश्विक प्रौद्योगिकी सीईओ का सम्मेलन है, जहां हम समावेशी, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से नवाचार एवं व्यापक सार्वजनिक कल्याण के लिए एआई प्रौद्योगिकी के प्रति सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर विचार साझा करेंगे। मोदी और मैक्रों प्रतिनिधिमंडल स्तर पर भी बातचीत करेंगे तथा भारत-फ्रांस सीईओ मंच को संबोधित करेंगे। बुधवार को, दोनों नेता प्रथम विश्व युद्ध में बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए मजारगुएज युद्ध स्मारक जाएंगे। वह मार्सिले में भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन भी करेंगे। यह मोदी की

कृत्रिम मेधा के लिए संचालन व्यवस्था, मानक बनाने को वैश्विक प्रयासों की जरूरत : प्रधानमंत्री मोदी

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए संचालन व्यवस्था और मानक स्थापित करने को लेकर सामूहिक वैश्विक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि साझा मूल्यों को बनाए रखने और जोखिमों से निपटने के लिए यह जरूरी है। मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ कृत्रिम मेधा पर आयोजित शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करते हुए कहा कि एआई राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को बदल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, संचालन व्यवस्था और मानकों को स्थापित करने के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता है जो हमारे साझा मूल्यों को बनाए रखें, जोखिमों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृत्रिम मेधा इस सदी में मानवता के लिए रूपरेखा लिख रही है। मोदी ने कृत्रिम मेधा के कारण नौकरियां खत्म होने की आशंकाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं। उन्होंने कहा, हमें एआई संचालित भविष्य के लिए अपने लोगों को कुशल बनाने और नए काम के तरीकों के लिए उन्हें तैयार करने में निवेश करने की जरूरत है।

जेडी वेंस ने पेरिस शिखर सम्मेलन में एआई के अत्यधिक विनियमन का विरोध किया

पेरिस। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कृत्रिम मेधा (एआई) पर यहां आयोजित शिखर सम्मेलन में कहा कि ट्रंप प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि अमेरिका में विकसित एआई प्रणालियां वैचारिक पूर्वाग्रह से मुक्त हों और अमेरिका अपने नागरिकों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को कभी प्रतिबंधित नहीं करेगा। उन्होंने मंगलवार को विश्व के नेताओं, तकनीकी प्रमुखों और शोधकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि तेजी से बढ़ते एआई उद्योग के अत्यधिक विनियमन के खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे इस परिवर्तनकारी उद्योग के खत्म होने की आशंका है। वेंस के संबोधन से कृत्रिम मेधा के प्रति यूरोप के नियामक दृष्टिकोण को चुनौती मिलने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन में विश्व के नेताओं, शीर्ष तकनीकी अधिकारियों और नीति निर्माताओं ने सुरक्षा, अर्थशास्त्र और शासन पर एआई के प्रभाव पर चर्चा की है। शिखर सम्मेलन में मतभेद खुले तौर पर प्रदर्शित हुए है। यूरोप विनियमन और निवेश करना चाहता है, चीन अपने सरकार समर्थित तकनीकी दिग्गजों के माध्यम से पहुंच का विस्तार कर रहा है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका इसमें हस्तक्षेप न करने वाला दृष्टिकोण अपना रहा है। वेंस ने सुझाव दिया है कि अगर यूरोपीय सरकारें एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिबंध लगाती हैं तो अमेरिका को अपनी नाटो प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार करना चाहिए। उनकी पेरिस यात्रा में यूक्रेन, वैश्विक शक्ति परिवर्तन में एआई की भूमिका और अमेरिका-चीन तनाव पर भी खुलकर चर्चा होने की उम्मीद है। इस बीच बीजिंग में, अधिकारियों ने सोमवार को एआई उपकरणों तक पहुंच को प्रतिबंधित करने के पश्चिमी प्रयासों की निंदा की, जबकि चीनी कंपनी डीपसीक के नए एआई चैटबॉट को लेकर अमेरिकी कांग्रेस में सुरक्षा चिंताओं के कारण इसके उपयोग को सीमित करने का आह्वान किया है। वेंस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन से भी अलग-अलग मुलाकात करेंगे।

ट्वीट के लिए 34 साल की सजा का सामना कर रही डॉक्टरेट की छात्रा की सजा माफ हुई : कार्यकर्ता

दुबई। ब्रिटेन के लीड्स विश्वविद्यालय में शोधार्थी सऊदी की एक छात्रा को ट्विटर पर उसकी गतिविधि के लिए सऊदी अरब में 34 साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन अब उसकी सजा माफ कर दी गई है। एक अधिकार समूह ने सोमवार को यह जानकारी दी। समूह ने कहा कि दो बच्चों की मां सलमा अल-शहाब को उनके ट्वीट के लिए 2022 में 34 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। लंदन स्थित सऊदी अधिकार समूह, एएलक्यूएसटी ने सलमा की सजा की माफी की घोषणा की। जनवरी में एएलक्यूएसटी और अन्य अधिकार समूहों ने कहा कि सलमा की सजा घटाकर चार साल कर दी गई है, साथ ही चार साल की अतिरिक्त सजा निलंबित कर दी गई है। समूह ने कहा, सलमा को अब पूरी आजादी दी जानी चाहिए, जिसमें उन्हें पढ़ाई पूरी करने के लिए यात्रा करने का अधिकार भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी सलमा की सजा माफ किए जाने सूचना दी। एमनेस्टी में पश्चिम एशिया के अनुसंधानकर्ता दाना अहमद ने कहा, उन्होंने 300 दिन एकांत कारावास में बिताया और उन्हें कानूनी मदद भी देने से इनकार कर दिया गया। इसके बाद उन्हें बार-बार आतंकवाद के आरोपों में दोषी ठहराया गया और सजा सुनाई गई।

मस्क नीत समूह का ओपनएआई को 97.4 अरब डॉलर में खरीदने का प्रस्ताव, ओपनएआई के सीईओ ने किया नामंजूर

लॉस एंजिलिस। एलन मस्क के नेतृत्व में निवेशकों का एक समूह ओपनएआई को खरीदने के लिए लगभग 97.4 अरब डॉलर की पेशकश कर रहा है, जिसे ओपनएआई के सीईओ ने नामंजूर कर दिया है। मस्क के वकील मार्क टोबेरॉफ के अनुसार मस्क और उनका अपना एआई स्टार्टअप एक्सएआई और निवेश फर्मों का एक संगठन चैटजीपीटी निर्माता का नियंत्रण अपने हाथों में लेना चाहते हैं। ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन ने एक्स पर अपने पोस्ट में सौदे को तत्काल खारिज कर दिया लेकिन अगर आप चाहें तो हम ट्विटर को 9.74 अरब डॉलर में खरीद लेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के साथ टेलीफोन पर की बातचीत

ऑस्ट्रेलियाई इस्पात और एल्युमीनियम पर शुल्क छूट पर विचार कर रहे हैं : ट्रंप

» मेलबर्न, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के साथ टेलीफोन पर बातचीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई इस्पात तथा एल्युमीनियम आयात पर शुल्क छूट पर विचार करने के लिए सहमत हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने सोमवार को इस्पात तथा एल्युमीनियम आयात पर शुल्क की घोषणा से पहले ट्रंप से फोन पर बातचीत की और छूट की मांग की थी। ट्रंप ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के साथ अमेरिका का व्यापार अधिशेष उन कारणों में से एक है जिसकी वजह से वह शुल्क से छूट पर विचार कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार के बारे में ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा, हमारे पास वास्तव में अधिशेष है।

यह (ऑस्ट्रेलिया) उन कुछ देशों में से एक है, जिनके साथ हमारे पास अधिशेष है। मैंने (अल्बनीज से) कहा कि यह ऐसी चीज है जिस पर हम गहनता से विचार करेंगे। ट्रंप ने इस्पात पर 2018 के शुल्क से अपवादों और छूटों को हटाने के बाद यह बात कही, जिसका मतलब है कि सभी इस्पात आयातों पर न्यूनतम 25 प्रतिशत कर लगाया जाएगा। 2018 के 10 प्रतिशत एल्युमीनियम शुल्क को भी बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे पहले अल्बनीज ने कैनबरा में संवाददाताओं से कहा था कि उन्होंने छूट के लिए ऑस्ट्रेलिया का पक्ष रखा और दोनों नेताओं ने सार्वजनिक रूप से फैसले की घोषणा करने पर सहमति व्यक्त की, जो यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति इस बात पर सहमत हुए कि हमारे दोनों देशों के हित में छूट पर विचार किया जा रहा है।

ट्रंप ने प्लास्टिक के स्ट्रॉ के इस्तेमाल पर दिया जोर, आदेश पर किए दस्तखत

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह संघीय स्तर पर कागज के स्ट्रॉ के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, क्योंकि वे टिकाऊ नहीं होते। उन्होंने कहा कि इसके बजाए प्लास्टिक के इस्तेमाल की तरफ बढ़ना चाहिए। ट्रंप ने संघीय खरीद नीतियों को पलटने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया है। उन्होंने वह नीति पलट दी है जिसके तहत कागज के स्ट्रॉ की खरीद को प्रोत्साहित किया जाता था और प्लास्टिक के स्ट्रॉ पर प्रतिबंध था। आदेश में संघीय एजेंसियों को कागज के स्ट्रॉ खरीदना बंद करने का निर्देश दिया गया है। सरकारी एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि दफ्तरों के भीतर अब कागज के स्ट्रॉ उपलब्ध न कराए जाएं। ट्रंप लंबे समय से कागज से बने स्ट्रॉ के खिलाफ बोलते रहे हैं। राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान ट्रंप ब्रांड वाले पुनः इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक स्ट्रॉ की बिक्री भी की गई थी। ट्रंप ने इस आदेश से पूर्ववर्ती जो बाइडन प्रशासन के फैसले को पलट दिया है जिसमें 2027 तक खाद्य सेवा संचालन, आयोजनों और पैकेजिंग से स्ट्रॉ सहित एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक की संघीय खरीद को समाप्त करना और 2035 तक सभी संघीय संचालनों से समाप्त करना शामिल था। ट्रंप ने सप्ताहांत में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की नीति को मृत करार दिया। प्लास्टिक के स्ट्रॉ को महासागरों को प्रदूषित करने और समुद्री जीवन को नुकसान पहुंचाने के लिए दोषी ठहराया जाता है।

यूरोपीय संघ ने अमेरिकी शुल्क के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की दी चेतावनी

» ब्रसेल्स, भाषा।

यूरोपीय संघ (ईयू) की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेएन ने मंगलवार को कहा कि इस्पात तथा एल्युमीनियम पर अमेरिकी शुल्क को लेकर जवाबी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे 27 देशों के समूह को कड़े जवाबी कदम उठाने पड़ेंगे। वॉन डेर लेएन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस्पात और एल्युमीनियम पर शुल्क लगाए जाने पर बयान में कहा, यूरोपीय संघ अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए कदम उठाएगा। उन्होंने कहा, शुल्क, कर हैं... व्यापार के लिए बुरे, उपभोक्ताओं के लिए और भी बुरे हैं। यूरोपीय संघ पर अनुचित शुल्क का जवाब दिया जाएगा। वॉन डेर लेएन ने कहा कि इसके जवाब में इतनी ही कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, यूरोपीय संघ की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने संसद को बताया कि यदि अमेरिका हमारे लिए कोई अन्य विकल्प नहीं छोड़ता है।

तो यूरोपीय संघ एकजुट होकर प्रतिक्रिया देगा। उन्होंने कहा, अंततः व्यापार युद्धों से हमेशा दोनों पक्षों की समृद्धि को नुकसान होता है। ट्रंप ने विदेशी इस्पात और एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत कर लगाने की घोषणा की है। इससे स्थानीय उत्पादकों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा से राहत मिलने की उम्मीद है जिससे वे अधिक कीमत वसूल सकेंगे। ट्रंप ने राष्ट्रपति के तौर पर अपने पहले कार्यकाल में भी इसी तरह के शुल्क लगाए थे, लेकिन इस कदम से अमेरिका के प्रमुख सहयोगियों के साथ संबंधों को नुकसान पहुंचा था। साथ ही इस्पात और एल्युमीनियम खरीदने वाले डाउनस्ट्रीम विनिर्माताओं की लागत बढ़ गई थी। यूरोपीय संघ आयोग के उपाध्यक्ष मार्कोस शेफकोविक ने मंगलवार को कहा कि शुल्क आर्थिक रूप से प्रतिकूल हैं, विशेष रूप से हमारे व्यापक अंतर-अटलांटिक व्यापार व निवेश संबंधों के माध्यम से स्थापित गहन एकीकृत उत्पादन श्रृंखलाओं को देखते हुए। उन्होंने पत्रकारों से कहा, हम अपने कर्मचारियों, व्यवसायों और उपभोक्ताओं की रक्षा करेंगे। हमारे लिए यह आदर्श स्थिति नहीं है। हम रचनात्मक संवाद के लिए प्रतिबद्ध हैं।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण कोरिया के शीर्ष आर्थिक शोध संस्थान ने आर्थिक वृद्धि का अनुमान घटाया

» सियोल, भाषा।

दक्षिण कोरिया के शीर्ष आर्थिक शोध संस्थान ने चार महीने में दूसरी बार मंगलवार को देश की अर्थव्यवस्था के लिए अपने वृद्धि पूर्वानुमान में कटौती की। संस्थान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क संबंधी कदमों के प्रभाव के बारे में चिंता भी जाहिर की है। कोरिया डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (केडीआई) ने अपने नवीनतम अनुमान में कहा कि 2025 में दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्था 1.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह नवंबर में घोषित उसके पिछले अनुमान से 0.4 प्रतिशत कम है। केडीआई के अर्थशास्त्री किम जियोन ने कहा कि ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद व्यापारिक माहौल का बिगड़ना एक प्रमुख कारक है। दक्षिण कोरिया राष्ट्रपति यूं सुक एओल के खिलाफ महाभियोग और आपराधिक अभियोग के कारण उत्पन्न राजनीतिक अस्थिरता से भी जूझ रहा है।

केडीआई के समष्टि आर्थिक विश्लेषण विभाग के प्रमुख जंग क्यूचुल ने कहा, नवंबर में, हमने यह मान लिया था कि शुल्क बढ़ाने के ट्रंप के कदम समय के साथ धीरे-धीरे आगे बढ़ेंगे और इस साल इतनी जल्दी लागू नहीं होंगे, लेकिन चीन जैसे देशों को लक्षित करके शुल्क बढ़ाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद थी कि ट्रंप प्रशासन के सत्ता में आने के बाद अनिश्चितताएं धीरे-धीरे दूर हो जाएंगी, लेकिन अब हम ऐसी स्थिति में हैं जहां अनिश्चितताएं वास्तव में बढ़ गई हैं। जंग ने कहा कि यदि ट्रंप की व्यापारिक कार्रवाइयां और तेज होती हैं या दक्षिण कोरिया में राजनीतिक उथल-पुथल जारी रहता है तो केडीआई अपने वृद्धि अनुमानों को और कम कर सकता है।

अदाणी को राहत : ट्रंप ने विदेशी रिश्वतखोरी कानून के क्रियान्वयन पर लगाई रोक

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें न्याय मंत्रालय को लगभग आधी सदी पुराने कानून पर रोक लगाने और उसकी समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है।अदाणी समूह के खिलाफ रिश्वतखोरी की जांच इसी कानून के तहत शुरू की गई थी। ट्रंप ने 1977 के विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जो अमेरिकी कंपनियों तथा विदेशी कंपनियों को व्यापार करने के लिए विदेशी सरकारों के अधिकारियों को रिश्वत देने से रोकता है। राष्ट्रपति ने अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पामेला बॉन्डी को एफसीपीए के प्रवर्तन को रोकने का निर्देश दिया, जिसके तहत अमेरिकी न्याय मंत्रालय कुछ चर्चित मामलों की जांच कर रहा है। इसके तहत ही भारतीय उद्योगपति एवं अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर के खिलाफ अभियोग चलाया गया।

पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन नीत सरकार के अधीन न्याय मंत्रालय ने पिछले साल अदाणी पर सौर ऊर्जा ठेकों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 2,100 करोड़ रुपए) से अधिक की रिश्वत देने की योजना का कथित रूप से हिस्सा होने का आरोप लगाया था। अदाणी समूह ने हालांकि सभी आरोपों को खारिज किया है। अभियोजकों ने पिछले वर्ष एफसीपीए का हवाला देते हुए आरोप लगाया था कि यह बात उन अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से छिपाई गई, जिनसे अदाणी समूह ने इस परियोजना के लिए अरबों डॉलर जुटाए थे। एफसीपीए विदेशी भ्रष्टाचार के आरोपों पर कार्रवाई करने की अनुमति देता है, जबकि उनका अमेरिकी निवेशकों या बाजारों से कुछ संबंध हो। इस कानून पर ट्रंप का रोक लगाना और समीक्षा का आदेश देना अदाणी समूह के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन यह देखना बाकी है कि छह महीने की समीक्षा अवधि के बाद न्याय मंत्रालय क्या रुख अपनाता है। ट्रंप ने जिस आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं उसमें अटॉर्नी जनरल को 180 दिन में एफसीपीए के अंतर्गत जांच और प्रवर्तन कार्रवाइयों को नियंत्रित करने वाले दिशानिर्देशों तथा नीतियों की समीक्षा करने को कहा गया है। इसमें कहा गया, समीक्षा अवधि के दौरान अटॉर्नी जनरल किसी भी नई एफसीपीए जांच या प्रवर्तन कार्रवाई की शुरुआत नहीं करेंगे, जबतक कि अटॉर्नी जनरल यह निर्धारित नहीं कर लेते कि कोई व्यक्तिगत अपवाद बनाया जाना चाहिए। साथ ही इसमें सभी मौजूदा एफसीपीए जांच या प्रवर्तन कार्रवाइयों की विस्तार से समीक्षा करने और एफसीपीए प्रवर्तन पर उचित सीमाएं बहाल करने तथा राष्ट्रपति की विदेश नीति के विशेषाधिकारों को संरक्षित करने के लिए ऐसे मामलों के संबंध में उचित कार्रवाई करने की बात है। संशोधित दिशानिर्देशों या नीतियों के जारी होने के बाद शुरू की गई या जारी रखी गई एफसीपीए जांच और प्रवर्तन कार्रवाइयां ऐसे दिशानिर्देशों या नीतियों के अधीन आएंगी और उन्हें विशेष रूप से अटॉर्नी जनरल द्वारा अधिकृत किया जाना चाहिए। इससे पहले, अमेरिका के छह सांसदों ने नवनियुक्त अटॉर्नी जनरल को अमेरिकी न्याय मंत्रालय (डीओजे) द्वारा लिए गए संदिग्ध फैसलों के खिलाफ पत्र लिखा था। इनमें कथित रिश्वत घोटाले में उद्योगपति गौतम अदाणी के समूह के खिलाफ अभियोग का मामला भी शामिल है। सांसदों ने पत्र में आशंका जताई थी कि इससे करीबी सहयोगी भारत के साथ संबंध खतरे में पड़ सकता है।

अमेरिका के छह सांसदों ने अदाणी के खिलाफ अभियोग को लेकर नए अटॉर्नी जनरल को पत्र लिखा

वाशिंगटन। अमेरिका के छह सांसदों ने नवनियुक्त अटॉर्नी जनरल को अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा लिए गए संदिग्ध फैसलों के खिलाफ पत्र लिखा है। इनमें कथित रिश्वत घोटाले में उद्योगपति गौतम अदाणी के समूह के खिलाफ अभियोग का मामला भी शामिल है। सांसदों ने पत्र में आशंका जताई कि इससे करीबी सहयोगी भारत के साथ संबंध खतरे में पड़ सकता है। लांस गुडेन, पैट फॉलन, माइक हरिडोपोलोस, ब्रैंडन गिल, विलियम आर. टिम्मोंस और ब्रायन बेबिन ने 10 फरवरी को अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पामेला बॉन्डी को पत्र लिखकर जो बाइडन के प्रशासन के तहत डीओजे द्वारा लिए गए कुछ संदिग्ध निर्णयों की ओर ध्यान आकर्षित किया। उद्योगपति गौतम अदाणी पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली के ठेके हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि यह बात अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से छिपाई गई, जिनसे अदाणी समूह ने परियोजना के लिए अरबों डॉलर जुटाए थे। अमेरिकी कानून विदेशी भ्रष्टाचार के आरोपों पर कार्रवाई करने की अनुमति देता है, बशर्ते कि उनमें अमेरिकी निवेशकों या बाजारों से जुड़े कुछ संबंध शामिल हों।

ग्वाटेमाला में बस के खाई में गिरने से 55 लोगों की मौत

» ग्वाटेमाला सिटी, भाषा।

ग्वाटेमाला की राजधानी के बाहरी इलाके में सोमवार को एक बस के खाई में गिरने से कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सार्वजनिक मंत्रालय के जांच अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से 53 शव बरामद किए गए हैं और सैन जुआन डी डिओस अस्पताल ने पुष्टि की है कि वहां लाए गए दो यात्रियों की भी मौत हो गई है।

दमकल विभाग के प्रवक्ता एडविन विलाग्रान ने बताया कि कई वाहनों की टक्कर के कारण बस सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई। इस घटना में अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बस प्रोग्रेसो से आ रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ितों में बच्चे भी शामिल हैं। राष्ट्रपति बर्नार्डो एरेवालो ने घटना पर शोक व्यक्त किया तथा एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप का संदेश स्पष्ट है अमेरिका हमेशा आतंकवादियों को खोजने और खत्म करने के लिए तैयार

अफगानिस्तान, पाकिस्तान में हमले को अंजाम देने की आईएस-के की क्षमताओं से अमेरिका चिंतित

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

अमेरिका ने कहा है कि वह आतंकवादी संगठन आईएसआईएस-खोरासान (आईएसआईएस-के) की साजिश रचने, हमले करने और भर्ती अभियान चलाने की क्षमताओं को लेकर चिंतित है, खासकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान में। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी दूतावास की अंतरिम प्रभारी राजदूत डोरथी शिया ने सुरक्षा परिषद में आतंकवादी कृत्यों से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को खतरा विषय पर यह बात कही। शिया ने यह भी कहा कि आईएसआईएस और दुनिया भर के अन्य आतंकवादी संगठनों से मुकाबला करना ट्रंप प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है... राष्ट्रपति ट्रंप का संदेश स्पष्ट है अमेरिका हमेशा उन आतंकवादियों को खोजने और खत्म करने के लिए तैयार है जो अमेरिका और हमारे सहयोगियों के लिए खतरा हैं।

उन्होंने कहा कि मध्य एशिया में

आईएसआईएस से संबद्ध संगठन, विशेष रूप से आईएसआईएस-खोरासान भी एक बड़ा वैश्विक खतरा पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा, हम आईएसआईएस-के, के हमलों की साजिश रचने और उन्हें अंजाम देने, साथ ही भर्ती अभियान जारी रखने की क्षमताओं को लेकर चिंतित हैं, खासकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान में। संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद निरोधक कार्यालय के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोन्कोव ने कहा कि आईएसआईएल-के अफगानिस्तान, क्षेत्र और अन्य स्थानों पर लगातार एक बड़ा खतरा बना हुआ है। वोरोन्कोव ने कहा, ऐसी भी खबरें हैं कि कुछ विदेशी आतंकवादी अफगानिस्तान की यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की उस अपील को भी याद किया जिसमें उन्होंने सभी सदस्य देशों से अफगानिस्तान को फिर से आतंकवादी गतिविधियों का केंद्र बनने से रोकने के लिए एकजुट होने को कहा था।

उत्तरी अफगानिस्तान में आत्मघाती विस्फोट में पांच व्यक्तियों की मौत

इस्लामाबाद। उत्तरी अफगानिस्तान में मंगलवार को एक बैंक के पास एक आत्मघाती हमलावर द्वारा किए गए विस्फोट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस प्रवक्ता जुमाउद्दीन खाकसर ने बताया कि यह हमला कुंदुज प्रांत में काबुल बैंक की एक शाखा के पास हुआ। उन्होंने बताया कि मृतकों में बैंक का एक गार्ड भी शामिल है। अभी तक किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है और खाकसर ने कहा कि पुलिस हमले की साजिश रचने वालों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। खाकसर ने कोई और जानकारी नहीं दी। पूर्व में इस्लामिक स्टेट समूह के आतंकवादियों ने पूरे अफगानिस्तान में बम विस्फोट किए हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने फ्रांस के अपने समकक्ष बैरो से पेरिस में मुलाकात की

» पेरिस, भाषा।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पेरिस में फ्रांस के अपने समकक्ष जीन नोइल बैरो से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), नवोन्मेष तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक विकास पर ध्यान केंद्रित करने के साथ भारत-फ्रांस के बीच व्यापक सहयोग पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन दिवसीय फ्रांस यात्रा पर हैं। वह पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करेंगे। मोदी मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे और व्यापार जगत के नेताओं को भी संबोधित करेंगे। जयशंकर ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, पेरिस में आज शाम विदेश मंत्री जीन नोइल बैरो से मिलकर खुशी हुई। एआई एवं नवाचार, संपर्कता और स्वच्छ ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करते हुए दोनों देशों के बीच व्यापक सहयोग को लेकर चर्चा की। क्षेत्रीय और वैश्विक विकास के बारे में भी बात की।

पोस्ट में कहा गया, दोनों देशों का मजबूत सहयोग हमारी रणनीतिक साझेदारी की ताकत और सहजता को दर्शाता है। इस बीच, बैरो ने कहा कि 2026 में फ्रांस और भारत मिलकर नवाचार का वर्ष लिखेंगे। बैरो ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत के साथ, एआई हमारी रणनीतिक साझेदारी का नया आयाम है। 2026 में हम मिलकर नवाचार का एक फ्रैंको-इंडियन वर्ष लिखेंगे। सोमवार को पेरिस पहुंचने पर प्रवासी भारतीय समुदाय ने मोदी का भव्य स्वागत किया। उन्होंने कहा, पेरिस में एक यादगार स्वागत ठंड के मौसम के बावजूद भारतीय समुदाय ने आज शाम अपना स्नेह दिखाया। हम अपने प्रवासी समुदाय के आभारी हैं और उनकी उपलब्धियों पर गर्व करते हैं। मोदी और मैक्रों मार्सिले में भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का भी उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, यह मोदी की फ्रांस की छठी यात्रा है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,